RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

सवाल यह नहीं है कि कितना सीखा जा सकता है। इसके उलट सवाल यह है कि कितना भुलाया जा सकता है।

ओशो

वर्ष-04, अंक - 36 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 09 जून 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

परिवारवाद के सवाल पर उलझी उमा भारती

भोपाल। भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा की परिवारवाद की व्याख्या के बाद पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने अपने विधायक भतीजे की पत्नी के पंचायत चुनाव में नामांकन पर्चा भरने की खबरों से पल्ला झाड़ लिया है। विधायक भतीजे की पत्नी के खिलाफ भारती ने पार्टी को स्वतंत्र रूप से फैसला लेने की छूट दे दी है।

मध्य प्रदेश में दो दिन के प्रवास के दौरान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी में परिवारवाद की व्याख्या की थी और नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव में भी इसके मुताबिक ही टिकट वितरण की बात कही थी। इस दायरे में पहली दिग्गज नेता पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती का परिवार आया है।

भारती के भतीजे राहुल सिंह लोधी खरगापुर विधानसभा सीट से विधायक हैं। उनकी पत्नी उमिता ने जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ने के लिए नामांकन पर्चा भर दिया है। हालांकि उमिता के नामांकन पर्चे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती का कहना है कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है और समाचार पत्रों में उनके नामांकन पत्र दाखिल करने का समाचार पढ़ने के बाद उन्हें सूचना मिली है।

भारती ने झाड़ा पल्ला

पूर्व मुख्यमंत्री भारती ने भतीजी बहू उमिता के जिला पंचायत सदस्य के रूप में नामांकन दाखिल किए जाने की जानकारी लगते ही सोशल मीडिया पर उसके नामांकन पर्चे के आधार पर भाजपा नेतृत्व को फैसला लेने के लिए स्वतंत्र छोड़ने की पोस्ट अपलोड की है। भारती ने कहा कि, उमिता एक उच्च शिक्षित बुद्धिमान महिला है और उसकी निजता का वे सम्मान करती हैं। भाजपा के अनुशासन का पालन करना हरेक पार्टी कार्यकर्ता का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि, उनकी जानकारी में यह नहीं है कि वे पार्टी की सदस्य हैं या नहीं, इसलिए पार्टी उमिता की उम्मीदवारी के संबंध में नियम के अनुसार ही फैसला ले।

कमलनाथ के मीडिया समन्वयक का इस्तीफा हुआ मंजूर, भाजपा ने ली चुटकी

भोपाल।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ के मीडिया समन्वयक नरेंद्र सलूजा का इस्तीफा आखिरकार मंजूर हो गया। जब से पीसीसी के मीडिया विभाग में बदलाव हुआ है तब से ही सलूजा नाखुश थे और उन्होंने तलख भाषा में अपने नेता को इस्तीफा भेज दिया था। तब से वे पीसीसी मुख्यालय में भी नजर नहीं आ रहे थे। कांग्रेस भले ही सत्ता में नहीं है लेकिन उसके संगठन में पद को लेकर मारामारी मची है।

पीसीसी अध्यक्ष कमलनाथ ने पिछले कुछ दिनों में काफी बदलाव किए हैं जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति विभागों से लेकर मीडिया विभाग में आमूलचूल परिवर्तन किए हैं। मीडिया विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले पीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री विधायक जीतू पटवारी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया और कुछ घंटे में ही कमलनाथ ने उसे स्वीकार कर लिया गया। यही नहीं इस विभाग में तेजी के साथ बदलाव किए गए। अध्यक्ष की भूमिका में इंदौर के ही केके मिश्रा की नियुक्ति की गई तथा उपाध्यक्ष व 32 प्रवक्ता बना दिए गए।

नरेंद्र सलूजा कमलनाथ के पीसीसी अध्यक्ष बनने के बाद से ही उनके मीडिया समन्वयक के रूप में कार्य कर रहे थे। इसके पहले भी वे कमलनाथ के मध्य प्रदेश की मीडिया एक्टिविटी को लेकर सक्रिय रहते थे। पीसीसी अध्यक्ष बनने के बाद कमलनाथ ने जब मीडिया विभाग में बदलाव किए तो शोभा ओझा को मानक अग्रवाल की जगह लाया गया और सलूजा को पीसीसी अध्यक्ष का मीडिया समन्वयक बनाया गया था। सीएम बनने के बाद भी सलूजा कमलनाथ के मीडिया समन्वयक बने रहे। मगर हाल में मीडिया विभाग के बदलाव को लेकर सलूजा अपने पद को यथावत रखे जाने से नाखुश नजर आए और उन्होंने कमलनाथ को सीधे पत्र लिखकर इस्तीफा भेज दिया। साथ ही पीसीसी मुख्यालय आना बंद कर दिया। अब कमलनाथ ने सलूजा के इस्तीफे को स्वीकार कर सभी अटकलबाजियों पर विराम लगा दिया है।

भाजपा की चुटकी

कांग्रेस के मीडिया विभाग में मची उठापटक को लेकर भाजपा चुटकी लेने में पीछे नहीं हटी। प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर से लेकर प्रवक्ता डॉ. हितेष बाजपेयी ने इस दौरान सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफार्म पर कांग्रेस पर तंज कसे। अब लोकेंद्र पाराशर सलूजा के इस्तीफे को सिख समाज से नफरत का सबूत बता रहे हैं।

80 के दशक में डकैत रहे मलखान सिंह की पत्नी बनी निर्विरोध सरपंच

गुना।

चंबल के बीहड़ों के सबसे खूंखार डकैत रहे मलखान सिंह की पत्नी को ग्रामीणों ने निर्विरोध सरपंच चुना है। गुना जिले की आरोन इलाके की सिनगयाई पंचायत में पूर्व बागी मलखान सिंह की पत्नी ललिता राजपूत ने सरपंच पद के लिए नामांकन भरा था, जिसके बाद गांव वालों ने एकजुट होकर पूर्व डकैत मलखान सिंह की पत्नी को निर्विरोध सरपंच चुन लिया है।

ललिता राजपूत ने कहा कि, पिछले 20 साल से गांव में विकास नहीं हो पाया है, सड़क से लेकर पानी तक कोई व्यवस्था नहीं है। अब गांव वालों ने निर्विरोध सरपंच चुना है तो यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं गांव को एक बेहतर आदर्श गांव के रूप में विकसित करूंगी।

गुना जिले की आरोन इलाके की सिनगयाई ग्राम पंचायत एक ऐसी पंचायत है जिसमें अभी तक सरपंच और सभी पंच महिलाएं हैं। इसी के चलते पूर्व डकैत मलखान सिंह की पत्नी ललिता राजपूत ने गांव में सरपंच पद के लिए इच्छा जताई थी और उसके बाद गांव वालों ने एकजुट होकर ललिता राजपूत को सरपंच के पद पर निर्विरोध चुन लिया। ललिता राजपूत के पति और पूर्व खूंखार डकैत मलखान सिंह ने कहा कि गांव में शुरू से ही बिजली, सड़क और पानी की समस्या है। लेकिन अब ग्रामीणों की भरोसे पर गांव में विकास कराया जाएगा। इसके साथ ही सिंह ने कहा कि गांव में किसी भी कीमत पर कोई भ्रष्टाचार नहीं होने देंगे और इसके साथ ही गांव में किसी तरह का कोई झगड़ा और आपसी रंजिश भी नहीं चलने देंगे।

80 के दशक में बोलती थी तूती

गौरतलब है कि, पूर्व डकैत मलखान सिंह चंबल के सबसे खूंखार डाकुओं में शुमार रहा है। चंबल के बीहड़ में 80 के दशक में डाकू मलखान सिंह की तूती बोलती थी। 80 के दशक में लगभग एक लाख के इनामी मलखान सिंह पर एक सैकड़ा से अधिक हत्या, हत्या के प्रयास और अपहरण, लूट के मामले दर्ज थे। उसके बाद 1982 में डाकुओं के सरदार रहे मलखान सिंह और उनकी गैंग ने आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके बाद मलखान सिंह 6 साल तक जेल में रहा और 1989 में सभी मामलों में बरी करके उसे रिहा कर दिया गया। जेल से छूटने के बाद मलखान सिंह राजनीति में सक्रिय हो गए और वह लगातार सरकार के खिलाफ और नेताओं के खिलाफ बयानबाजी करते रहते हैं।

हिमंता बिस्वा की कैबिनेट का होगा विस्तार

दिसपुर।

असम में हिमंता बिस्वा सरमा की कैबिनेट का शुक्रवार को विस्तार होगा। भाजपा के दो विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। दोनों विधायकों को गुवाहटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र पर दोपहर करीब तीन बजे मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को खुद इसकी जानकारी दी।

हालांकि, मुख्यमंत्री ने उन दो विधायकों के नाम का जिक्र नहीं किया है जिन्हें कल मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पहाड़ी जिलों के दो विधायक को कैबिनेट में जगह दी जाएगी। असम के मुख्यमंत्री अपने बयानों के लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं।

पत्नी को संपत्ति के समान हिस्से की वकालत

पत्नी को संपत्ति के समान हिस्से की वकालत करने वाले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पिछले हफ्ते कहा कि मुस्लिम पुरुष को तीन की बजाए एक महिला से ही शादी करनी चाहिए। सरमा ने मुस्लिम समुदाय से तीन तलाक की बजाय कानूनी तलाक की प्रक्रिया अपनाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, असम सरकार इस मामले में बहुत स्पष्ट है कि कोई भी मुस्लिम पुरुष तीन महिलाओं से शादी नहीं करे।

मुस्लिम पुरुष कानूनी रूप से तलाक का सहारा लें

सरमा ने कहा कि, मुस्लिम पुरुष तीन तलाक न दें, बल्कि कानूनी रूप से तलाक दें। उन्होंने कहा कि बेटों की तरह बेटियों को भी संपत्ति में बराबर हिस्सा दिया जाना चाहिए। संपत्ति का 50 प्रतिशत हिस्सा पत्नी को भी मिलनी चाहिए। इस मामले में सरकार और आम मुसलमानों के विचार समान हैं।

अनारक्षित सीटों पर पुरुषों ने नहीं किया नामांकन, महिलाएं चलाएंगी गांव की सरकार

दमोह।

मध्य प्रदेश में समरस पंचायत को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की अपील का बड़ा असर देखने को मिल रहा है। प्रदेश के दमोह जिले की कुंवरपुर खेजरा ग्राम पंचायत में सरपंच के साथ सभी 17 पंच निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। आश्चर्यजनक बात यह थी कि सरपंच के अलावा इस ग्राम पंचायत की अन्य सभी सीटें अनारक्षित थीं लेकिन यहां किसी भी सीट पर किसी पुरुष ने नामांकन नहीं किया और सभी 17 पदों पर महिलाओं का निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

बीते पंचायत चुनाव में इसी ग्राम पंचायत से सोमेश गुप्ता ने सरपंच का चुनाव जीता था। सोमेश ने प्रदेश में सबसे ज्यादा मतों से यह चुनाव जीता था। जिसके बाद सोमेश को सरपंच संघ का प्रदेश अध्यक्ष भी बनाया गया था। बीते चुनाव में कुल पड़े एक हजार 580 वोटों में सोमेश को एक हजार 512 वोट हासिल हुए थे। इस बार के पंचायत चुनाव में उनकी पत्नी मीना ने निर्विरोध जीत हासिल की है।

सोमेश ने किया था अंतरजातीय विवाह

कुंवरपुर खेजरा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित थी। सोमेश ने अंतरजातीय विवाह किया था, जिसके चलते अनुसूचित जाति से आने वाली उनकी पत्नी मीना ने इस बार नामांकन किया था। खास बात यह थी कि, नामांकन से पहले ही गांववालों ने सर्वसम्मति से तय कर लिया था कि इस बार ग्राम पंचायत में सरपंच समेत सभी पंच निर्विरोध ही चुने जाएंगे।

सीएम शिवराज ने किए थे ये ऐलान

बता दें कि, बीते दिनों मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने समरस पंचायत को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए कई घोषणाएं की थीं। सीएम शिवराज ने कहा था कि, जिन ग्राम पंचायतों में सरपंच निर्विरोध निर्वाचित होंगे, उन्हें 5 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। इसके अलावा सरपंच पद के लिए वर्तमान निर्वाचन व पिछला निर्वाचन लगातार निर्विरोध होने पर 7 लाख और सरपंच-पंच के सभी पदों पर महिलाओं का निर्वाचन निर्विरोध रूप से होने पर 15 लाख रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की गई थी।

देश में गहरा सकता है खाद्य संकट... ?

नई दिल्ली, एजेंसी।

सरकार की गेहूं खरीद इस साल पिछले वित्तवर्ष की तुलना में अब तक 53 प्रतिशत घटकर 182 लाख टन रह गई है। इसका मुख्य कारण निर्यात के लिए निजी कारोबारियों द्वारा गेहूं की तेजी से खरीदारी करना है। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। रबी विपणन वर्ष अप्रैल से मार्च तक चलता है लेकिन अधिकांश खरीद जून तक समाप्त हो जाती है। पिछले विपणन वर्ष में अबतक की सर्वाधिक 433.44 लाख टन गेहूं की खरीद की गई थी।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत आवश्यकता को पूरा करने के लिए सरकारी उपक्रम भारतीय खाद्य निगम और राज्य की खरीद एजेंसियां न्यूनतम समर्थन मूल्य पर इस अनाज की खरीद करती हैं।

कम हुआ गेहूं का उत्पादन

गेहूं उत्पादन में गिरावट और निर्यात में वृद्धि के कारण मौजूदा वर्ष के लिए गेहूं खरीद लक्ष्य को संशोधित कर 195 लाख टन कर दिया गया है, जो पहले 444 लाख टन था। सरकारी सूत्रों के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सभी प्रमुख उत्पादक राज्यों में सरकारी एजेंसियों द्वारा गेहूं की खरीद कम रही।

विपणन वर्ष 2022-23 में सरकार की गेहूं खरीद घटकर 96 लाख टन रह गई, जबकि एक साल पहले यह 132 लाख टन रही थी। इसी तरह हरियाणा में गेहूं की खरीद 84 लाख टन से घटकर 40 लाख टन रह गई, जबकि मध्य प्रदेश में इसी अवधि के दौरान खरीद पहले के 118 लाख टन से घटकर 42 लाख टन रह गई।

निजी कंपनियों ने की तेजी से खरीदारी

उत्तर प्रदेश में विपणन वर्ष 2022-23 में गेहूं की खरीद तेज गिरावट के साथ 2 लाख 64 हजार टन रह गई, जो एक वर्ष पहले की अवधि में 33 लाख टन रही थी। सूत्रों ने कहा कि राजस्थान के मामले में इसी अवधि में 16 लाख टन की तुलना में खरीद सिर्फ एक हजार 10 टन की हुई। सूत्रों ने सरकार की खरीद में तेज गिरावट का की वजह निर्यात करने के लिए निजी कंपनियों द्वारा की गई आक्रामक खरीदारी को बताया।

सरकार ने कीमतों पर नियंत्रण के लिए 13 मई को गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। कृषि मंत्रालय के तीसरे अग्रिम उत्पादन अनुमान के अनुसार, फसल वर्ष 2021-22 (जुलाई-जून) में गेहूं का उत्पादन पिछले वर्ष के रिकॉर्ड 10 करोड़ 95 लाख 9 हजार टन से घटकर 10 करोड़ 64 लाख एक हजार टन रहने अनुमान है।

सलमान खान को मिली धमकी, मामले में दिल्ली पहुंची मुंबई पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को मिली धमकी भरे पत्र मामले में मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांट की टीम दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से पूछताछ करेगी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की एक टीम बुधवार को दिल्ली पहुंच भी गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, धमकी भरी चिट्ठी में कहा गया है, सलीम खान, सलमान खान बहुत जल्द आपका मूसेवाला जैसा हाल होगा जीबी एलबी....। पत्र में जीबी एलबी शब्द के इस्तेमाल को लेकर अनुमान लगाया जा रहा है कि इसका मतलब गैंगस्टर गोल्डी बरार तथा लॉरेंस बिश्नोई से हो सकता है। हालांकि पुलिस ने इस बारे में कोई बयान नहीं दिया है।

29 मई को हुई थी पंजाबी सिंगर मूसेवाला की हत्या

बता दें कि, पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की 29 मई को अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई हथियार अधिनियम से जुड़े एक मामले में दिल्ली पुलिस की हिरासत में है और शुक्रवार को उसे अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। उससे पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बारे में भी पूछताछ की गई थी, हालांकि उसने मूसेवाला की हत्या में शामिल अपने सहयोगियों के नाम का खुलासा नहीं किया, पर उसने स्वीकार किया कि उसकी गायक के साथ कट्टर दुश्मनी थी।

सगुणी भजनों की रसवर्षा के साथ श्रीजी पादुका स्पर्श महोत्सव अपने चरम पर

आज होगा पूजन और महाआरती का आयोजन

माही की गूंज, पेटलावद।

सगुणी भजनों की रस वर्षा और कीर्तन के साथ श्रीजी पादुका स्पर्श महोत्सव के 2 दिन पूरे हुए। आयोजन में अखंड संकीर्तन के साथ-साथ प्रतिदिन सुबह मंगल आरती 9 बजे श्रृंगार आरती और रात्रि 9 बजे महाआरती का आयोजन किया जा रहा है।

आयोजन के इस बारहवें वर्ष भक्तों की अटूट श्रद्धा झलक रही है जहां लगातार दूर-दूर से सैकड़ों भक्तों का आने का क्रम जारी है, महाप्रसादी का लाभ भी भक्तगण उठा रहे हैं। आयोजन को मनाने के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए समिति के सदस्यों का कहना है कि, गुरुदेव के पेटलावद नगर में प्रथम आगमन तिथि के अनुसार यह आयोजन मनाया जा रहा है। जिससे गुरुदेव की यादें चिर स्थायी बनी रहे और भक्तों का धार्मिक आयोजन के प्रति लगाव बना रहे। गुरुदेव ने पेटलावद नगर में 29 दिवस की समाधि इसी स्थल पर ली थी जो की आज एक जाग्रत स्थान हो चुका है ।

आयोजन में कीर्तन-भजन के साथ-साथ महिलओ द्वारा गरबा करते हुए भी अपनी आस्था प्रकट की जा रही है भक्तों का उत्साह चरम पर है। भक्तों का आने का क्रम निरंतर जारी है, जिसमें देश-प्रदेश से भक्त लोग पधारे रहे है। आज संकीर्तन का सुबह 5 बजे समापन हुआ और पादुका पूजन प्रारम्भ हुई। पादुका पूजन के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ा, साढे 11 बजे महाआरती और महाप्रसादी भंडारे का आयोजन भी रखा गया। समिति के सदस्यों ने सभी धर्म प्रेमी जनता से अपील की है कि, आयोजन में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करें।

सांरगी पंचायत के लिए 05 प्रत्याशी मैदान में, वार्ड नम्बर 09 हुआ निर्विरोध, बाकी में होंगे कड़े मुकाबले

माही की गूंज, सांरगी।

सारंगी ग्राम पंचायत चुनाव में नामांकन प्रक्रिया निपटने के एक निर्विरोध वार्ड को छोड़ने के बाद सभी वार्डो में घमासान की स्थिति है। यहां सरपंच पद के लिए 05 प्रत्याशी मैदान में है। वही 20 वार्डो के लिए दो से तीन प्रत्याशी हर वार्ड से मैदान में है, सबसे अधिक 06 प्रत्याशी वार्ड नम्बर 15 से जबकि वार्ड नम्बर 09 से एक ही नामांकन आने पर वार्ड निर्विरोध हो गया है। आने वाले दिनों में स्थानीय स्तर पर भारी उठापटक दोनों ही दलों की और से होगी।

नर्मदा स्वच्छता अभियान का विशेषज्ञ ने किया निरीक्षण

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में नर्मदा नदी में मिलने वाले जल को शुद्ध कर छोड़ने की प्रक्रिया पिछले 8 माह से प्रचलन में हैं। बुधवार को इस तकनीक का निरीक्षण वॉटर एड के तकनीकी विशेषज्ञ लेनिन ने किया। लेनिन गांवों में गंदे पानी को नदी या नाले में जाने से पहले उसे शुद्ध करने की अन्य तकनीक जानकारी भी दी। ज्ञात हो कि गंदे पानी/ग्रे वॉटर को शुद्ध करने के लिए जिले में वॉटर स्थिरीकरण टैंक बनाये गए हैं। जिला पंचायत सीईओ श्री दिव्यांक सिंह सभी गांवों को ओपन डेफिकेशन फ्री करने के लिए लगातार ऐसे कार्यों पर समीक्षा कर रहे हैं। वे इस दिशा में युद्ध स्तर पर जुटे हुए हैं। कई गांवों में गंदे पानी को शुद्ध कर नर्मदा नदी व अन्य नदियों में छोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यही नर्मदा स्वच्छता अभियान भी है। गुरुवार को ग्रामीण विकास विभाग के सभी सहायक यंत्रियों और उपयंत्रियों का प्रशिक्षण इसी कार्य के लिए दिया जाएगा।

भाजपा कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक समपन्न

माही की गूंज, झाबुआ।

पंचायत चुनाव, नगर पालिका एवं नगर परिषद तथा जिला पंचायत चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी जिला झाबुआ की कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी के मार्गदर्शन एवं मुख्य आतिथ्य में जिला प्रभारी हरिनारायण यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक, सांसद गुमान सिंह डामोर की अध्यक्षता में स्थानीय अम्बा पेलेश में अनुसुचित जनजाति के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाबर, प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख विजय दुबे, जिला महामंत्री तीनों गौरव खण्डेलवाल, सोमसिह सोलंकी, कृष्णपालसिह गंगाखेड़ी, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य सुश्री निर्मला भुरिया, ओमप्रकाश शर्मा, जिला उपाध्यक्ष प्रवीण सुराना की उपस्थिति में आयोजित की गई। जानकारी देते हुए जिला भाजपा मिडिया प्रभारी योगेन्द्र नाहर ने बताया कि महत्वपूर्ण बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने समस्त भाजपा सर्मथक प्रत्याशियों को विजय बनाने के लिए सभी भाजपा प्रत्याशी कायकर्ताओ से सर्मथक प्रत्याशियों के पक्ष में अपना नाम वापस लेने की महत्वपूर्ण अपील करते हुए पार्टी द्वारा अधिक्रत प्रत्याशियों को भारी बहुमत से विजय बनाने की अपील की है।

कांग्रेस समर्थित जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी घोषित

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला पंचायत चुनाव के चलते कोर कमेटी की सहमति से जिला कांग्रेस अध्यक्ष निर्मल मेहता ने जिला पंचायत सदस्य के लिए पार्टी समर्थित प्रत्याशियों की घोषणा करते हुए वार्ड क्रमांक 3 अजजा महिला वार्ड से प्रियंका रूपसिंह डामोर, वार्ड क्रमांक 4 अजजा मुक्त बाबू मेसा सिंगार, वार्ड क्रमांक 7 अजजा मुक्त शांति राजेश डामोर, वार्ड क्रमांक 8 अजजा महिला सोनल जसवंत भाबर, वार्ड क्रमांक 10 अजजा महिला रमीला कालू सिंह भूरिया, वार्ड 11 अजजा महिला ममता बहादुर हटीला, वार्ड 12 अजजा महिला शारदा डामोर, वार्ड 13 अनारक्षित महिला सुनीता चंद्रवीर सिंह राठौर, वार्ड 14 अजजा मुक्त विक्रम वाल सिंह मेडा को कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी घोषित किया गया है। पार्टी अध्यक्ष निर्मल मेहता ने बताया कि जिला पंचायत के वार्डों में जिन कांग्रेस समर्थित अन्य ने फॉर्म भरा है, उनसे आह्वान किया गया है कि नियत तारीख 10 जून तक अपने फार्म कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार के पक्ष में वापस लेकर पार्टी समर्थित उम्मीदवारों को विजय बनाने में जुट जाएं। उक्त जानकारी संभागीय कांग्रेस प्रवक्ता साबिर फिटवेल ने दी।

आखिर भांग प्रेमियों को मिली राहत , लंबे समय से अटके ठेके हुवे

माही की गूंज , पेटलावद ।

नगर की भांग गोटे की दुकान का टेंडर 31 मार्च से ही अटका पड़ा था , नगर की भांग दुकान के लिए दो से तीन बार हुई प्रक्रिया हुई लेकिन ऊंचे सरकारी दामों भांग गोटे की दुकान का टेंडर नही हो सका लम्बे समय से बन्द दुकान के भांग प्रेमियो को परेशानीया उठानी पड़ रही थी और अन्य शहरों की दुकानों से भांग मंगवानी पड़ रही थी । लेकिन लम्बे समय से अटका भांग गोटे के टेंडर होने के बाद नगर की दुकान शुरू होने से भांग प्रेमियों ने राहत की सांस ली हैं ।

खनिज विभाग ने ट्रेक्टर सुपड़ी को जप्त कर किया थाने में खड़ा

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के निर्देश पर जिले में सतत अवैध रेत खनन, परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही जारी है। बुधवार को प्रातः साढ़े 10 बजे खनिज विभाग के पदाधिकारियों ने ग्राम छोटा बडदा में दबिश देकर अवैध रेत खनन में संलग्न ट्रेक्टर मय सुपड़ी के जप्त कर अंजड़ पुलिस थाने में खडा कराया है। इस कार्यवाही में खनिज निरीक्षक शांतिलाल निनामा एवं उनके दल का सहरानीय योगदान रहा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने चलाया धोबड़िया तालाब परिसर में स्वच्छता अभियान

माही की गूंज, बड़वानी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आनंद कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में बुधवार को बड़वानी नगर के धोबड़िया तालाब परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव जिला न्यायाधीश अमितसिंह सिसोदिया ने अभियान का नेतृत्व करते हुये उपस्थितो को पर्यावरण संरक्षण करने में योगदान हेतु प्रेरित किया। साथ ही सभी के साथ मिलकर तालाब के आसपास फेकी गई प्लास्टिक की पन्नियॉ, अपशिष्ट पदार्थो को एकत्रित कर नगरपालिका के माध्यम से उसका विनिष्टीकरण करवाया। इस दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बड़वानी श्रीमती गीता कन्नौजे, नगरपालिका के पदाधिकारी, न्याय विभाग के कर्मचारी, पैरालीगल वालेटियर, नगरपालिका के सफाई कर्मियो का सहरानीय योगदान रहा। इस कार्य में नगरपालिका के रामकरण डावर, न्याय विभाग के अर्जुन परमार, परमेश्वर मेरावी, युसुफ अली शाह, पैरालीगल वालेटियर श्रीमती शैलजा पारगीर, श्रीमती शैली सोलंकी, श्रीमती नाजिया खान, विकास धनगर ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

नोडल अधिकारियों, रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की बैठक संपन्न

बारिश का मौसम देखते हुए नदी,नालों के कारण जाम जैसी स्थिति हो सकती है उनका चिन्हांकन कर ले-प्रेक्षक

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन एवं नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2022 हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों, रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की बैठक कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में दिनांक 08 जून को सायं सम्पन्न हुई। इस बैठक में झाबुआ जिले के लिए नियुक्त प्रेक्षक श्री एस.एस.राठौर भी उपस्थित थे। बैठक में प्रेक्षक महोदय द्वारा नोडल अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया एवं कहा कि यहां पर मेरे द्वारा जो भ्रमण किया गया है वहां पर सभी कार्य बेहतर पाया है। आगामी दिनों में बारिश होने के कारण नदी, नाले उफान पर आ सकते हैं और जाम जैसी स्थिति हो सकती है। उसका अभी से चिन्हांकन कर ले एवं वैकल्पिक व्यवस्था अभी से सुनिश्चित कर ले।

बैठक में कलेक्टर महोदय द्वारा निर्देश दिए गए कि त्रि-स्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के निर्वाचन हेतु नियुक्त नोडल अधिकारी की वन टु वन समीक्षा की गई। संपत्ति विरूपण की कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है मतदाता जागरूकता के लिए व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित करें। डीजे यदि बजता दिखे कोलाहल अधिनियम के अंतर्गत तत्काल कार्यवाही करें।

मिश्रा ने निर्देश दिए की सभी नोडल अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी आयोग के दिशा निर्देश अनुसार समय सीमा में कार्यवाही पूर्ण करें। किसी भी प्रकार का सहयोग की आवश्यकता हो तो तत्काल सूचित किया जावे। कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो यह सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन, श्री अपर कलेक्टर श्री एस.एस.मुजाल्दा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर श्री सुनिल झा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री एल.एन.गर्ग एवं सभी निर्वाचन में नियुक्त नोडल अधिकारी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त जिले के सभी रिटर्निंग अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, बीएमओ, सीएमओ और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

निर्वाचन हेतु नियुक्त प्रेक्षक द्वारा कानून व्यवस्था के संबंध में पुलिस अधीक्षक से रूबरू चर्चा की

जिले के निर्वाचन प्रेक्षक एस.एस.राठौर द्वारा जिले के पुलिस अधीक्षक अरविन्द्र तिवारी से त्रिस्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के आम निर्वाचन - 2022 के द्वारा कानून व्यवस्था के संबंध में रूबरू चर्चा की एवं जिले की आवश्यक जानकारी कानून व्यवस्था के बारे में प्राप्त की। इस दौरान जिला उप निर्वाचन अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर श्री सुनिल झा भी उपस्थित थे। प्रेक्षक के साथ ओ.पी. वनडे, जिला शिक्षा अधिकारी झाबुआ मो.नं. 7879805517 को लाइजनिंग अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे है।

प्रेक्षक द्वारा जनपद पंचायत राणापुर क्षेत्र में व्यवस्था का जायजा लिया

जिले के निर्वाचन प्रेक्षक एस.एस.राठौर द्वारा जनपद पंचायत राणापुर क्षेत्र में निर्वाचन के संबंध में की जा रही व्यस्थाओं का जायजा लिया एवं इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। प्रेक्षक द्वारा निर्वाचन के लिए बनाया गया स्ट्रांग रूम का अवलोकन किया और जनपद में सामग्री वितरण की व्यवस्था का जायजा लिया एवं ग्राम पाडलवा में मतदान केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान रिटर्निंग अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एलएन गर्ग, तहसीलदार राणापुर सुखदेव डावर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जीएस मुजाल्दा, लोक निर्माण विभाग के सहायक यंत्री डी.के.शुक्ला, थाना प्रभारी राणापुर आदि उपस्थित थे।

कल नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि, नाम वापसी के बाद होगा फेरबदल

मोहनकोट में सबसे अधिक 15 तो सबसे कम मोईवागेली में 02 सरपंच प्रत्याशी मैदान में

जनपद में तीन वार्डों में सबसे अधिक दस-दस और कम तीन वार्डों में तीन-तीन प्रत्याशी मैदान में

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

पांच वर्षों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद मध्यप्रदेश में हुई राजनीतिक उठापटक और कोरोना संक्रमण काल के कारण लगभग तीन वर्षों से टलते आ रहे ग्राम पंचायत और जनपद, जिला पंचायत के चुनाव के लिए 06 माह में दूसरी बार नाम निर्देशन की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी हैं, इससे पहले दिसम्बर माह में चुनाव आरक्षण प्रक्रिया के कारण निरस्त हो गए थे। लेकिन इस बार चुनाव पर ऐसा कोई साया नही है जिससे चुनाव फिर से टल सके, इस बार चुनाव निश्चित तिथियो पर होना है ये तय है। बारिश के मौसम के साथ ग्रामीण क्षेत्रो से आधे अधूरे उत्साह से पेटलावद विकास खण्ड की 77 ग्राम पंचायत के लिए कुल 77 सरपंच पद हेतु 478 सरपंच प्रत्याशीयो ने नामांकन फार्म जमा किये। जिसमे से जांच के दौरान 01 आवेंदन प्रत्याशी की आयु कम होने से खोरिया ग्राम पंचायत का एक नामांकन निरस्त किया गया है। इस प्रकार 77 पंचायतो के लिये कुल पंच संख्या 1298 पदों के लिए 2255 नामांकन फार्म जमा किये गए हैं। गत 06 माह पूर्व हुई नामांकन प्रक्रिया से इस बार जमा नामांकन फार्म की संख्या कम है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए विकास खण्ड की ग्रामीण क्षेत्र की पंचायत मोहनकोट से पिछली बार की तरह इस बार भी सबसे अधिक सरपंच पद हेतु सबसे अधिक 15 प्रत्याशीयो से नामांकन प्राप्त हुए है, तो सबसे कम मोईवाघेली पंचायत के 02 नामांकन जमा किये हैं, कई ग्राम पंचायतों में कई वार्डो में एक-एक आवेंदन जमा होने से कई पंच निर्विरोध भी हुए है।

जनपद में इस बार बड़ी प्रत्याशीयो की संख्या

विकास खण्ड की कुल 25 जनपद सीटों के लिये होने वाले चुनाव के लिए 163 नामांकन फार्म जमा हुए है। दोनों ही मुख्य दलों ने फिलहाल यहा कोई प्रत्याशी घोषित नही किया है और 25 वार्डो में सभी वार्डो फिलहाल 03 और उससे अधिक प्रत्याशीयो ने नामांकन दाखिल किया है। वार्ड क्रमांक 03 अनाराक्षित, वार्ड क्रमांक 06 अजज़ा मुक्त और वार्ड क्रमांक 25 अजजा मुक्त से सबसे अधिक दस-दस नामांकन फार्म जमा हुए है। जबकि वार्ड क्रमांक 15 अजज़ा महिला, वार्ड क्रमांक 17 अजज़ा महिला और वार्ड क्रमांक 18 अनाराक्षित से सबसे कम तीन-तीन नामांकन फार्म जमा किये गए हैं, सभी फार्मो की जांच के बाद वर्तमान स्थिति में मैदान बचे प्रत्याशीयो की सूची चस्पा कर दी गई।

कल नामांकन वापसी की अंतिम तिथि, राजनीतिक दलों में चल रहे जोड़-तोड़ के प्रयास

नाम निर्देशन और नामांकन फार्म की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद शुक्रवार को नाम वापसी की अंतिम तिथि है। यहा से मैदान में उतरे प्रत्याशीयो के बाद नाम वापसी का अंतिम अवसर होगा, जिसके लिए लगातार जोड़-तोड़ के प्रयास शुरू हो चुके हैं, इस बार जनपद की सीटों पर मुख्य राजनीतिक दलों से जुड़े कार्यकर्ता, बड़ी संख्या में मैदान में उतर कर जीत का दावा कर रहे हैं। संगठन के जिन पदाधिकारीयो को अपने-अपने दल प्रत्याशीयो के बीच सामंजस्य बना कर फार्म वापसी कर पार्टि के पक्ष में माहौल बनाना था, वो खुद इस चुनावी समर में मैदान में उतर गए हैं। जिसके चलते कई जनपद सीटो पर प्रत्याशीयो की बाढ़ सी आ गईं है। सरपंच पद के लिए भी यही स्थिति बनी हुई हैं, खासकर भाजपा के लिए सफर मुश्किलो भरा हो गया है क्योंकि सरपंच पद के लिए मैदान में उतरे सबसे अधिक प्रत्याशी भाजपा से जुड़े हुए है, हालाकि कार्यकर्ता अपने-अपने स्तर से प्रयासरत होकर एक दूसरे पर नाम वापसी हेतु दबाव हर तरह से बना रहे हैं, जिसमे सफलता के कम आसार दिखाई दे रहे हैं।

जनपद में 117, सरपंच में 425 नामांकन हुए दाखिल

माही की गूंज, थादला।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनावो की नामांकन प्रक्रिया के खत्म होने के साथ निवार्चन प्रक्रिया का एक दौर समाप्त हुआ। एसडीएम अनिल भाना ने जनपद सदस्यो व तहसीलदार शक्तिसिह चौहान ने सरपंच व पंच पदो के नाम निर्देशन पत्रो की जांच कि। विकासखण्ड मे 19 जनपद सदस्यो के लिये कुल 117 नामाकन जमा किए गए। जो कि पिछली बार की तुलना मे कम है पिछली बार जनपद सदस्यो के 143 नामांकन फार्म जमा हुए थे। वही कुल 67 ग्राम पंचायतो मे सरपंच पद के लिये 425 नामांकन जमा किए गए, जो कि पिछली बार की तूलना मे कम है पिछली बार सरपंच पद के लिये 521 फार्म जमा हुए थे। ब्लाक की 67 पंचायतो के 1033 पंच पदो के लिये 1977 नामांकन प्राप्त हुए। सरपंच व पंच पदो के प्रत्याशीयो के नामांकन की जांच जनपद परिसर मे क्लस्टर बनाकर की गई। नामांकन जांच मे सभी विधिमान्य पाए गये। कई पंचायतो मे पंच पदो पर निविरोंध की स्थिति भी निर्मित हुई है। जनपद पंचायत मे नाम निर्देशन जांच के पश्चात वार्ड क्र 01 अजजा महिला 4, वार्ड क्र 02 अजजा महिला 6, वार्ड क्र 03 अजजा मुक्त 5, वार्ड क्र 04 अजजा महिला 4, वार्ड क्र 05 अजजा मुक्त 4, वार्ड क्र 06 अजजा महिला 11, वार्ड क्र 07 अजजा मुक्त 8, वार्ड क्र 08 अजजा महिला 7, वार्ड क्र 09 अजजा मुक्त 6, वार्ड क्र 10 अजजा मुक्त 6, वार्ड क्र 11 अजजा मुक्त 8, वार्ड क्र 12 अजजा महिला 7, वार्ड क्र 13 अजजा मुक्त 12, वार्ड क्र 14 अजजा महिला 4, वार्ड क्र 15 अनारक्षित महिला 3, वार्ड क्र 16 अजजा महिला 4, वार्ड क्र 17 अजजा मुक्त 7, वार्ड क्र 18 अजजा महिला 7, वार्ड क्र 19 अजजा मुक्त 4 उम्मीदवार मैदान मे है। रजिस्टीकरण अधिकारी अनिल भाना ने बताया कि, 10 जून शुक्रवार को नाम वापसी के साथ प्रत्याशीयो को चुनाव चिन्ह का आवंटन किया जावेगा। शुक्रवार को नाम वापसी प्रक्रिया के बाद ही चुनावी परिदृश्य साफ हो पायेगा। सभी प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत के दावे के साथ आश्वस्त नजर आ रहे है।

चुनाव प्रक्रिया में धांधली करने का आरोप लगाकर रोजगार सहायक के पति के खिलाफ की शिकायत

नामांकन फार्म जमा करने के दौरान रोजगार सहायक के पति की उपस्थिति को लेकर उपजा विवाद

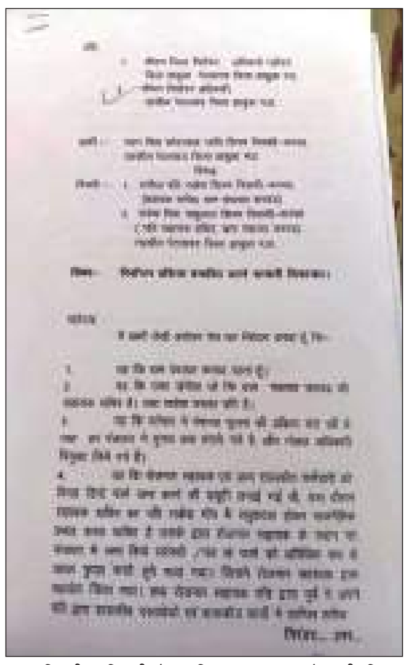

अनुविभागीय अधिकारी को पवन सिनम द्वारा प्रस्तुत आवेंदन की प्रति।

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड की ग्राम पंचायत करवड़ में पदस्थ महिला रोजगार सहायक रेखा सिनम के पति राकेश सिनम पर चुनाव प्रक्रिया में धांधली करने का आरोप ग्राम करवड़ के ही लोगो ने लगाया है। गतदिनों करवड़ पंचायत में जमा हो रहे नामांकन फार्म की प्रक्रिया के दौरान रोजगार सहायक का पति वहा रखे कागजों पलटते हुए कैमरे में कैद हुआ था। मामला अधिकारीयो की जानकारी में आने के बाद भी कोई कार्रवाई नही होने पर मंगलवार को ग्राम करवड़ के ही पवन कोदालाल सिनम ने अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद को लिखित शिकायत दर्ज करवाते हुए चुनाव प्रक्रिया में धांधली का आरोप लगा कर कर्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता ने बताया कि, चुनाव की प्रक्रिया गुप्त होती है ऐसे में किसी भी बाहरी व्यक्ति का वहां होना गलत है। वही रोजगार सहायक के पति राकेश सिनम का इस संबंध में कहना है कि, नामांकन के कोरे फार्म खत्म होने के कारण पंचायत में मौजूद अधिकारी के निर्देश पर पड़े कागजों में से फोटो कॉपी के लिये कोरे फार्म को ढूंढ रहा था, इस दौरान किसी ने मेरा फ़ोटो खिंच लिया, मेरे द्वारा किसी प्रकार से कोई प्रक्रिया में व्यवधान या हेरा-फेरी नही की जा रही थी।

इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी शिशिर गेमावत ने बताया कि, शिकायत प्राप्त हुई है और एआरओ खपेड (करवड़ क्षेत्र के प्रभारी) से जबाब मांगा है उनके द्वारा जो जबाब दिया जाएगा उसके आधार पर कार्रवाई करेगे।

नामांकन प्रक्रिया के दौरान करवड़ पंचायत में कागजों को देखता रोजगार सहायक का पति राकेश सिनम ।

राठौर उपाध्यक्ष नियुक्त

माही की गूंज, बामनिया ।

युवा मोर्चा की पेटलावद मण्डल की हुई घोषणा में ग्राम के दो युवाओं को स्थान दिया गया। गत दिनों घोषित पेटलावद मण्डल की कार्यकरणी में ग्राम के एक युवा नेता को महामंत्री नियुक्त किया गया। जबकि अभिनव राठौर को युवा मोर्चा उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ग्राम के एक और युवा विनायक गोयल को कार्यकरणी सदस्य बनाया गया। युवा मोर्चा में हुई नियुक्ति के बाद ग्राम भाजपा नेताओं सहित ईस्ट मित्रो में बधाई प्रेषित की है।

सुनसान जंगल में महिला एवं युवती की गला रेत कर हत्या, दोनों की पहचान नहीं, बलात्कार के बाद हत्या की आशंका

मौके पर जांच करते पुलिस एफएसएल के अधिकारी

माही की गूंज, उज्जैन ।

जिले के माकड़ोन थाना क्षेत्र के बेरछी ग्राम के जंगल में अज्ञात महिला और एक युवती की गला रेत कर हत्या का मामला सामने आया है। गांव के जंगल में सड़क से कुछ दूर अंदर पथरीली ढलान पर यह दोनों लाश मिली है। महिला की उम्र 30-35 वर्ष के लगभग है वहीं युवती की उम्र 16-20 वर्ष सामने आ रही है।

पुलिस के अनुसार गांव के चौकीदार घनश्याम ने जंगल में दो लाश पडी होने की सूचना दी थी। सूचना के बाद मौके पर उज्जैन से पुलिस अधिकारी और एफएसएल पार्टी भी पहुंची थी। प्रारंभिक रूप से सामने आया है कि, दोनों को कहीं और से लाकर उनकी हत्या यहां की गई है। एफएसएल अधिकारी प्रीति गायकवाड़ ने बताया कि, प्रथम दृष्ट्या ऐसा लगता है कि, किसी धारधार हथियार से इन दोनों का गला रेता गया है। दोनों शव 12 से 24 घंटे के पुराने होने की आशंका है। दोहरी हत्या में एक से अधिक आरोपी होने की संलिप्तता है। एडिशनल एसपी (ग्रामीण) आकाश भूरिया ने बताया कि, घटनास्थल शाजापुर जिले की सीमा से मात्र कुछ दूरी पर है। बेरछी गांव के जंगल में मिली लाशों में दोनों मां-बेटी हो सकती हैं। बाहर से लाकर यहां हत्या की गई है। आसपास के थानों में इस तरह की कोई गूमशुदा की रिर्पोट दर्ज नहीं है। घटनास्थल के आसपास 200 मीटर के दायरे में पुलिस ने सर्चिंग की है। दोनों शवों को लेकर आसपास के जिलों में भी फोटो एवं विडियो भेजे गए हैं व आसपास के क्षेत्रों में जानकारी निकाली जा रही है। जांच और विवेचना जारी है। दो अज्ञात महिलाओं के शव की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। शव की पहचान होने के बाद ही पुलिस को मामले को कोई सुराग हाथ लगने की सम्भवना है, पुलिस ने वाहनों की आवाजाही को लेकर भी संदिग्ध वाहन की सर्चिंग शुरू कर दी है।

सीएम से अच्छे संबंधों के चलते महाकाल मंदिर में पुजारियों के बीच हुआ विवाद

उज्जैन।

विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पुजारियों का आपसी विवाद अब मुख्यमंत्री तक पहुंचा गया है। मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र में मंदिर के पुजारी प्रदीप गुरु की सीएम से नजदीकियों का जिक्र किया गया है। इसमें शिकायत की गई है कि, सीएम से अपने संबंधों का हवाला देकर पंडित सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना कर शिवलिंग के क्षरण को रोकने के प्रयास को अनदेखा कर रहे हैं और जब उन्हें रोका जाता है तब वो पंडितों को धमका रहे हैं।

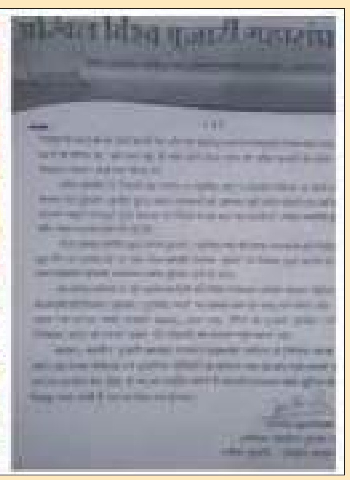

दरअसल, महाकालेश्वर मंदिर के वरिष्ठ पुजारी महेश गुरु और प्रदीप गुरु के बीच 11 मई को हुए विवाद के बाद 3 जून को भस्म आरती के दौरान फिर से विवाद की स्थिति बनी थी। जिसके बाद महाकाल मंदिर समिति ने इस पर संज्ञान भी लिया है।

अब विवाद बढ़ता देख महेश पुजारी ने विश्व पुजारी महा संघ की और से सीएम को शिकायती पत्र भेजा है। महेश पुजारी ने पत्र में प्रदीप गुरु द्वारा सीएम से नजदीकियों का जिक्र करते हुए मंदिर की छवि धूमिल करने और महाकाल मंदिर के पंडित-पुरोहितों पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है।

अखिल विश्व पुजारी महासंघ की और से सीएम को लिखे गए पत्र में प्रदीप गुरु पर सिलसिलेवार आरोप लगा कर कहा गया है कि, वो सीएम से संबंधों के चलते पंडितों पर अनावश्यक दबाव बनाते हैं और परेशान करते हैं। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि प्रदीप गुरु उनकी पूजा में भी व्यवधान उत्पन्न करते हैं, जिससे मंदिर की छवि खराब हो रही है।

ये है विवाद का कारण

11 मई को महाकाल मंदिर के गर्भगृह में अपने यजमान के साथ पूजन कर रहे प्रदीप गुरु ने गर्भ ग्रह में महेश पुजारी को गर्भ गृह के अंदर आने से रोक दिया था। जिसके बाद महेश पुजारी ने इसकी शिकायत मंदिर समिति के प्रशासक से की थी। शिकायत के बाद विवाद बढ़ गया था। इसके बाद 3 जून को फिर विवाद की स्थिति बनी और अब विवाद सीएम तक पहुंच गया।

लगाए कई आरोप

सीएम को लिखे खत में कहा गया है कि, प्रदीप गुरु नियम के विपरित शिवलिंग पर पूजा सामग्री, अबीर-गुलाल, कंकू और पंचामृत चढ़ाते हैं। वो अपने यजमानों को 15 मिनट तक गर्भगृह में रोक कर पूजन-अर्चना कराते हैं। यह भी आरोप लगा है कि वो पुजारी, पुरोहित और श्रद्धालुओं को गर्भगृह में प्रवेश करने से रोकते हैं और उन्हें अपमानित करते हैं।

आरोप है कि, शिवलिंग पर होने वाले भांग श्रृंगार में 3 किलो भांग लगाने का निर्णय है लेकिन प्रदीप पुजारी नियम विरुद्ध 5 से 10 किलो तक भांग चढ़ा रहे हैं। इनका कहना है कि शिवरात्रि पर्व पर भस्म आरती के दौरान करीब 765 लीटर रस शिवलिंग पर चढ़ाया गया जबकि ये सीधा-सीधा सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना है।

कलेक्टर ने जांच की बात कही

मुख्यमंत्री तक पहुंचने के बाद इस पूरे मामले में उज्जैन कलेक्टर और महाकाल मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष आशीष सिंह ने कहा कि, मंदिर के अंदर पूजन पद्धति सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के आधार पर ही की जा रही है। पंडितों के विवाद की शिकायत मुझ तक पहुंची है और आवश्यक लगा तो मैं इस पूरे मामले में जांच करवाएंगे।

संपादकीय

बेलगाम बयानबाजी से राष्ट्रीय प्रतिष्ठा दाव पर

भाजपा के प्रवक्ताओं की बेलगाम बयानबाजी के चलते इस्लामिक देशों से जो तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है वह स्वाभाविक है। निश्चय ही यह देश की प्रतिष्ठा को आंच आने वाली स्थिति है जो भारतीय लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर सवाल भी खड़ा करती है। निश्चित रूप से जिस उग्र दक्षिणपंथी राजनीति का सुख अब तक भाजपा ले रही थी, अब उसकी कीमत चुकाने का वक्त आया है। ऐसा नहीं है कि भाजपा प्रवक्ता द्वारा अल्पसंख्यकों के आराध्य को लेकर की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी अकेला मामला हो। तमाम दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा सांप्रदायिक रुझान की टिप्पणियां गाहे-बगाहे सामने आती रही हैं। दूसरे हालिया बयानबाजी के बाद डैमेज कंट्रोल की कवायद भाजपा की तरफ से देर से की गई, जिसकी कीमत देश की प्रतिष्ठा पर आई आंच के रूप में चुकानी पड़ रही है। अरब देशों समेत पाक-ईरान आदि देशों की तल्ख प्रतिक्रिया को इस रूप में देखा जा सकता है। भाजपा ने आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई तब की जब भारत से कारोबारी रिश्ते रखने वाले अरब राष्ट्रों ने तल्ख रवैया दिखाया। जाहिरा तौर पर दुनिया में यह संकेत गया कि देश के राजनीतिक विमर्श में बड़ी गिरावट उत्पन्न हुई है। कई देशों का राजनयिक विरोध इसकी बानगी भर है। कई खाड़ी देशों में भारतीय सामान के बहिष्कार की चेतावनी के अलावा उन भारतीयों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है, जो वहां काम करते हैं। हाल के दिनों में टीवी पर होने वाली सांप्रदायिक बहसों को प्राइम टाइम कार्यक्रमों की सफलता का जरिया बना लिया गया। गैर जिम्मेदार एंकर इसमें उकसाने का कार्य करते हैं। हालांकि, विवादित बयान आम भारतीय की राय नहीं है और न ही वे सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन वे सतारूढ़ पार्टी के पदों पर तो रहे हैं। भाजपा को अब सोचना होगा कि विकास के मुद्दों से इतर विभाजनकारी राजनीति उसके व देश के लिये घातक हो सकती है। जिसके लिये उसे अपने दल व दक्षिणपंथी रुझान वाले उन संगठनों की बेलगाम बयानबाजी पर अंकुश लगाना होगा जो समाज में कटुता पैदा करते हैं।

विडंबना यह है कि, हाल के दिनों में सत्ता प्रतिष्ठानों से जुड़े विभाग भी अपने विवेक व धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के अनुरूप व्यवहार करते नजर नहीं आते। उनसे स्वतंत्र रूप से जिस विवेकशील व निष्पक्ष व्यवहार की उम्मीद की जाती है, वह उनकी कार्यशैली में नजर नहीं आता। निस्संदेह, दुनिया का इतिहास गवाह है कि बहुसंख्यक व अल्पसंख्यक समाज की कट्टरता अंततः धर्मनिरपेक्षता की जड़ों पर प्रहार करती है। जो कालांतर किसी भी समाज में अशांति का वाहक बनती है। भाजपा को पार्टी कार्यकर्ताओं और आनुषंगिक संगठनों की आक्रामकता पर अंकुश लगाने का प्रयास करना होगा, अन्यथा देश की प्रतिष्ठा पर उसकी आंच आएगी। शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व की तरफ से संयमित व्यवहार कार्यकर्ताओं को भी ऐसा करने को प्रेरित करेगा। किसी भी चुनाव के दौरान जिस तरह संकीर्णता के मुद्दों पर आक्रामक बयानबाजी होती है और जिस तरह का राजनीतिक कोलाहल होता है, वह हर शांति पसंद व्यक्ति को विचलित ही करता है। सवाल हालिया विवादित बयान का ही नहीं है पिछले कुछ वर्षों से खानपान, पहनावे तथा धार्मिक आस्था को लेकर जैसे विवाद खड़े किये जाते रहे हैं कालांतर वे ही ऐसी बेलगाम बयानबाजी के रूप में सामने आते हैं। राजनेताओं को नहीं भूलना चाहिए कि भारत हमेशा से उदारवादी दृष्टिकोण के साथ सभी आस्थाओं का सम्मान करता रहा है। निस्संदेह, तल्खी का वातावरण तल्खी को ही जन्म देता है। जो कालांतर हमारे लोकतंत्र की गुणवत्ता का ही ह्रास करता है। यदि सत्तारूढ़ दल आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करता है तो इससे जहां भारत की प्रतिष्ठा बरकरार रहेगी, वहीं अन्य कार्यकर्ताओं में संदेश जायेगा कि जो मुंह में आये उसे नहीं कहा जा सकता। पार्टी को अपने राजनीतिक एजेंडे में बड़े बदलाव की जरूरत मौजूदा घटनाक्रम बताता है। पार्टी को जनकल्याणकारी विकास के मुद्दों को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा जो किसी भी भेदभाव से मुक्त हों।

सांप्रदायिक संकीर्णताओं से मुक्ति की राह

चौंकाने वाली बात है कि, कश्मीर में मज़हब आधारित हत्याएं आए दिन होने लगी हैं। वहां के अल्पसंख्यकों को नियोजित ढंग से निशाना बनाया जा रहा है। इन करतूतों को पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकी संगठनों के स्वयंभू 'स्वतंत्रता सेनानियों' का एक अन्य कारनामा ठहराकर, कम आंकने की बेवकूफी करना ठीक नहीं। जो भी है, ये कट्टरवादियों द्वारा मजहबी नफरत के आधार पर की जाने वाली हत्याएं हैं और इनमें कश्मीर के लोग अपरोक्ष रूप से ठीक उसी तरह शामिल हैं जैसे कि ग्रेटर नोएडा, अलवर या अन्य जगहों के लोग उस वक्त रहे, जब तथाकथित गो-रक्षक शक के आधार पर अल्पसंख्यकों को निशाना बना रहे थे। लेकिन गो-रक्षा के नाम पर हुई प्रत्येक हत्या के बाद जिस किस्म के रोष भरे संदेश देशभर में रहे हैं, खासकर वाम उदारवादी, बुद्धिजीवी और शिक्षाविदों के। वहीं जब बात कश्मीर में बहुसंख्यक समुदाय से संबंधित बेकसूर लोगों के मारे जाने की आए, तो गुस्से का इज़हार लगभग नदारद है, मानो मरना उनकी नियति थी, क्योंकि वे वहां के मुख्य धर्म से संबंधित नहीं थे, और फिर भी जमे हुए थे।

धर्म-निरपेक्ष भारत ने तमाम किस्म की कट्टरवादी ज्यादतियां सहन की हैं। इसमें हत्याओं सहित बहुसंख्यकों के एक वर्ग की जातीय सफाई और विधर्मी पत्रकारों को कश्मीर से खदेड़ना आदि कृत्य शामिल हैं। किंतु यदि इन नियोजित हत्याओं को भी रफा-दफा कर दिया गया, तब कोई मध्यमार्गी धर्म-निपरेक्ष आधार नहीं बचता, परिणाम स्वरूप शेष बचेगा तो केवल नफरत की भाषा और हिंसा और प्रतिहिंसा करने वाले दोनों ओर के कट्टर तत्व। ये हत्याएं हो नहीं सकतीं जब तक कि स्थानीय लोग विदेशी लड़ाकों या कश्मीरी हत्यारों को घाटी में बाहर के लोगों की शिनाख्त न करवाएं। हत्याओं की जिम्मेवारी लेते वक्त आतंकी गुट इन्हें 'अंदरूनी-सूचना आधारित अभियान' बताते हैं, असल में यह काम करने का नया तरीका है।

जिस 'अंदरूनी सूचना' का इशारा हत्यारे करते हैं वह 'अंदरवालों' का काम है फिर चाहे यह स्कूल हों जिनमें सिख महिला सुपिंदर कौर प्रिंसिपल थीं या पंडित दीपक चंद या दलित रजनी बाला पढ़ाया करते थे या फिर वह सरकारी दफ्तर जहां पर राहुल भट्ट काम करते थे या फिर बैंक की वह ब्रांच जिसका प्रबंधन विजय कुमार किया करते थे। जिस तरह 'अंदरूनी सूचना' की मदद से हत्यारे अपने काम को बिना गलती किए अंजाम दे पाते हैं, उससे अंगुली मृतकों के साथी शिक्षकों, या छात्रों, सहयोगियों या स्थानीय लोगों की ओर उठती है। यहां उन सभी पर सांप्रदायिक होने का ठप्पा लगाना आसान है, क्या पता हों भी। किंतु लोग-बाग ज्यादातर हालात का शिकार होते हैं और वह बन जाते हैं जो बदलते संदर्भों की प्रतिक्रियावश उन्हें बनना पड़ता है। फिलहाल बदले हुए संदर्भ वाला मंज़र यह है कि स्थानीय जनता में पूरी तरह अलगाववादी भावना भर चुकी है और वह संपूर्ण रूप से भारतीय राष्ट्र के खिलाफ हो चुकी है।

अनुच्छेद 370 हटाना, लंबे कर्फ्यू में घरों में कैद होना, स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व को अवैध और बदनाम कर देना, राजनीतिक गतिविधियों का निलंबन, परिसीमन प्रक्रिया और विधान सभा का चुनाव अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना- इनके नतीजे में स्थानीय लोगों का मोहभंग हुआ है, जिन्हें लग गया है कि अपनी जिंदगी के लिए जरूरी राज-काज व्यवस्था में उनकी हिस्सेदारी की कोई भूमिका नहीं रही। यह कोई संयोग नहीं है कि नियोजित हत्याएं ऐसे वक्त होने लगी हैं जब कश्मीर में सैलानियों की चहल-पहल है और एक लंबे अर्से के बाद कमाई वाला सीजन लगा है। तथापि एक भी सैलानी को नुकसान नहीं पहुंचाया गया, न ही किया जाएगा, क्योंकि जो कोई भी नियोजित हत्याएं कर रहे हैं उन्हें हिंदू-हिंदू के बीच फर्क अच्छी तरह पता है, एक जो कमाई का जरिया है और एक जिसे सरकार ने वहां स्थापित किया है। इसलिए कट्टरवादी हत्यारे तक की नफरत नपी-तुली है, जो पर्यटन से होने वाले नफे का

विश्लेषण और सरकार की मुखालफत करने की जरूरत के मुताबिक तय की जाती है।

नफरत के इस किस्म के नपे-तुले और सुपरिभाषित इज़हार से निबटने में स्थानीय लोगों से राबता बनाकर और यह सुनिश्चित करके कि प्रशासन में उनकी भूमिका महत्ती है, कोई हल निकल सकता है। पर्यटन में व्यवधान इसलिए नहीं पड़ रहा क्योंकि सारा धंधा स्थानीय कश्मीरी चला रहे हैं। अलबत्ता प्रशासनिक व्यवस्था या सरकारी कर्मचारियों की जिंदगी को धमकाया गया है क्योंकि स्थानीय लोगों की राजकीय कार्यों में हिस्सेदारी नहीं है। एक सांप्रदायिकता पर दूसरी सांप्रदायिकता लाद देना स्वयं सांप्रदायिकता से कम नहीं है। यदि अल्पसंख्यक फिरकापरस्ती को बहुसंख्यक फिरकापरस्ती से निबटाने की सोचेंगे तब हमारा सामना पूरी तरह कट्टर बन चुके उस कश्मीरी समाज से होगा जहां हरेक शरीफ बाहरी संदिग्ध होगा, ठीक वैसे ही, जिस तरह बाकी देश में बहुसंख्यक मानसिकता में अल्प संख्यक विशेष शक का पात्र बन गए हैं। कश्मीर में मरे प्रत्येक अल्पसंख्यक की एवज में कट्टरवादी अपनी सूची में शेष भारत में मारे गए अपने दो हम-बिरादरों का नाम गिनवा रहे हैं।

राजनीतिक प्रक्रिया इस गड़बड़झाले का एकमात्र उत्तर है न कि सैन्य पैंतरेबाजी। इन सांप्रदायिक हत्याओं के खिलाफ प्रदर्शनों को सेना के जरिए हवा दिलवाना, सिर्फ इन निर्दोषों की शहादत की बेइज्जती करना है। सेना का काम राजनीतिक प्रदर्शन प्रायोजित करवाना नहीं बल्कि सीमा रखवाली और जब कभी बुलाया जाए तो प्रशासन की मदद करना है। यह मुख्यधारा की नीति के लिए घातक होगा कि सेना अधिकारी सादी वर्दी पहनकर प्रदर्शन संचालित करें, फिर चाहे यह चार चिनार हो या चांदनी चौक। सशस्त्र बलों को राजनीतिक कार्यपालिका का मातहत रखकर ही भारत एक सफल लोकतंत्र बना रह सकता है। पाकिस्तान की आईएसआई या चीन की पीएलए की तरह, जहां उनकी सेना विचारधारा विशेष से ग्रसित बल है, हम भारत की व्यावसायिक सेना को उनका प्रतिबिम्ब बनाकर उनसे नहीं जीत सकते।

कश्मीर में शांति के लिए राजनीतिक प्रक्रिया की ओर मुड़ने की जरूरत है, इसके लिए वहां ऐसा विशेषज्ञ मध्यस्थ और मेधावी प्रशासक हो जिसके पास अनुभव एवं प्रौढ़ता हो, जो वास्तव में धर्म-निरपेक्ष और असंतुष्ट लोगों के प्रति संवेदनशील हो, न कि वैसा कोई जिसे केवल हिंदी भाषी क्षेत्र में व्याप्त राजनीतिक पैंतरेबाजी करनी आती हो। जिन लोगों ने पिछले सालों के दौरान कश्मीर में यथास्थिति बनाए रखी, उनकी आलोचना करना सरल है। जबकि एक समस्याग्रस्त क्षेत्र में यथा स्थिति कायम रखना भी अपेक्षाकृत शांति होती है, अल्प ही सही, किंतु जिसमें सौहार्द्रता एवं जीवन का पूर्वानुमान वाला अवयव हो। पर वह सब अब खो गया है। अब हरेक अध्यापक, सरकारी बाबू या बैंककर्मी हत्यारों को 'अंदरूनी सूचना' देने वाला कार्यकारी मुखबिर है। जब हर शख्स मुखबिरी पर उतर आए, चाहे सांप्रदायिक हत्यारों के लिए या सरकार के वास्ते, तब उस समाज की आत्मा पतित हो जाती है। हालांकि ऐसा करने के पीछे वे तर्क देते हैं कि उस सरकार की मनमानी भुगतनी पड़ रही है जो उनसे कटी हुई, सांप्रदायिक और गैर-निर्वाचित है।

राजेश रामचंद्रन

एक कट्टरवादी नीति समाज में हर किसी को कट्टर बना डालती है। केरल में जिस तरह इस्लामिस्ट ऑर्गेनाइजेशन पीपुल्स फ्रंट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित रैली में हिंदुओं और ईसाइयों को मार डालने के भद्दे नारों में भी 'आज़ादी' का संदर्भ आया, इससे केवल यही सिद्ध होता है कि जितना सख्त बहुसंख्यकों का कट्टरपना होता जाएगा उतनी ही कड़ी प्रतिक्रिया अलपसंख्यक वर्ग की आएगी। कश्मीर से चलकर केरल पहुंचे कट्टरवाद में फर्क यही आया है कि वहां इसको वामपंथ ने मुख्यधारा का रूप दे दिया है, यहां तक कि विगत में आतंकी गतिविधियों के संदिग्ध अब्दुल नासिर मदनी के साथ राजनीतिक गठबंधन किया। अब बहुसंख्यक कट्टरवादियों के अलावा वह जिन्होंने 'आज़ादी' के नारे को वैधता दी, उन्हें अब जोर से ध्यान देने की जरूरत है। इस्लामवादियों द्वारा की गई सांप्रदायिक हत्याओं का सामान्यीकरण करने में उनकी अपनी हरकतों का कितना योगदान रहा? यही वह चीज़ है, जो कश्मीर में 'आज़ादी' की मांग के खतरे को महसूस करने की जरूरत बताती है।

यूक्रेन की मांग

सिद्धार्थ शंकर

रूस-यूक्रेन युद्ध को 100 दिन हो गए हैं और यूक्रेन लगातार अलग-अलग देशों से रूस के खिलाफ समर्थन मांग रहा है। अब यूक्रेन ने भारत से कहा है कि जंग खत्म होने के बाद वह यूक्रेन के सुरक्षा की गारंटी बने। यूक्रेन ने कुछ अन्य देशों के साथ मिलकर इस बारे में भारत से संपर्क साधा है। यूक्रेन उम्मीद कर रहा है कि जंग के बाद बुनियादी सुविधाओं को फिर से पटरी पर लाने के काम में भी भारत मदद करेगा। यूक्रेन के लिए पोस्ट वॉर सिक्योरिटी और पोस्ट वॉर कंस्ट्रक्शन-ये दोनों बेहद अहम मुद्दे हैं। साथ ही, दवाएं, तकनीकी और आर्थिक मदद की भी वह भारत से उम्मीद कर रहा है। अब तक भारत वहां 230 टन दवाएं और मानवीय मदद से जुड़ी अन्य चीजें भेज चुका है। इसमें सरकार के अलावा प्राइवेट कंपनियों से दी गई मदद भी शामिल है। दवा कंपनियों ने ही 7-8 मिलियन डॉलर की मदद भेजी है। ये ऐसी कंपनियां हैं, जिनके मुख्यालय तो भारत में हैं, लेकिन दफ्तर यूक्रेन और पूर्वी यूरोप में। यूक्रेन की भारत से मांग उस स्थिति में पूरी हो पाएगी, जब जंग खत्म होगी या किसी निष्कर्ष पर पहुंचेगी। रूस यूक्रेन जंग के सौ दिन पूरे हो चुके हैं। अब इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। युद्ध की रणनीति बनाते समय शायद ही रूस ने सोचा हो कि यह युद्ध इतना लंबा चलेगा। ऐसे में सवाल उठता है कि इस जंग का निष्कर्ष क्या होगा। क्या इस युद्ध में रूसी सेना की जीत होगी। इस युद्ध में यूक्रेन का क्या होगा। क्या रूसी सेना के मनोबल पर इसका असर पड़ रहा है। इस जंग में अमेरिका और पश्चिमी देशों की क्या रणनीति है। क्या अमेरिका और पश्चिम देश अपनी रणनीति में सफल हुए हैं। यह ऐसे सवाल हैं, जो हर किसी के मन में हैं। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अभी यह युद्ध और लंबा खिंच सकता है। ऐसा प्रतीत होता है कि रूस और यूक्रेन दोनों एक दूसरे को थकाने में लगे हैं। हालांकि, दोनों मुल्कों ने हाल के दिनों में अपनी-अपनी बढ़त का एलान किया है, लेकिन सच यह है कि इस जंग में दोनों पक्षों को भारी क्षति हुई है। इस जंग में मोटे तौर पर रूस को बढ़त हासिल हुई है, क्योंकि उसकी सैनिक क्षमता यूक्रेन से कहीं ज्यादा है। रूस को इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह जंग इतनी लंबी चलेगी। इसलिए कहा जा सकता है कि रूस ने जैसी योजना बनाई थी, उस हिसाब से वह फौरी जीत हासिल करने में नाकाम रहा है। जंग में यूक्रेन को पश्चिमी देशों और अमेरिका का खुलकर सहयोग और समर्थन

मिल रहा है। पश्चिमी देश और अमेरिका यूक्रेन को रक्षा उपकरणों से लेकर मानवीय उपयोग की चीजों की आपूर्ति कर रहे हैं। पश्चिमी देश और अमेरिका ने रूसी योजना पर पानी फेर दिया है। अमेरिका की यही मंशा है कि रूस को यूक्रेन में उलझा कर रखो। जाहिर है कि रूस यूक्रेन की जंग जितनी लंबी चलेगी उतना रूस कमजोर होगा। दूसरे युद्ध के कारण रूस को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। इसका सीधा असर उसकी आर्थिक व्यवस्था पर पड़ रहा है। यूक्रेन रूस को खारकीव से दूर रखने में सफल हुआ, लेकिन दक्षिण में रूस का पलड़ा भारी था। इस लड़ाई का नतीजा केवल सैन्य ताकत पर निर्भर नहीं करेगा। रूस भी यूक्रेन को नुकसान पहुंचाने के लिए आर्थिक और राजनीतिक ताकत का भी इस्तेमाल कर रहा है। पश्चिमी देशों के प्रतिबंध से रूस को तो आर्थिक नुकसान पहुंचा है, लेकिन यूक्रेन को ज्यादा नुकसान हुआ है। रूस की जीडीपी में अगले वर्ष 12 फीसद की गिरावट की आशंका है, लेकिन यूक्रेन की जीडीपी में 50 फीसद तक की गिरावट आ सकती है। रूस की ओर से काला सागर का रास्ता रोक लिए जाने से यूक्रेन को बहुत ज्यादा नुकसान होगा। अगर यह युद्ध लंबा चला तो पश्चिमी देश भी इससे प्रभावित होंगे। पश्चिमी देशों की अपने-अपने देश की आंतरिक चुनौतियां है। जंग के चलते महंगाई तेजी से बढ़ रही है। तेल और गैस के बढ़ते दाम से जीवन-यापन लगातार महंगा होता जा रहा है। युद्ध इसकी एक अहम वजह रहा है। सर्दियों के आते ही रूस और यूक्रेन दोनों सेनाओं के लिए लडना और कठिन हो जाएगा। इसके साथ दुनिया के लिए आर्थिक संकट को झेलना भी और मुश्किल होता जाएगा।

जीते जी किंवदंती थे किंग काहलों

फरवरी 1997 में बतौर पुलिस महानिदेशक जम्मू-कश्मीर में ओहदा संभालने के तुरंत बाद हम स्थिति का जायजा लेने हेतु शरदकालीन राजधानी जम्मू से कश्मीर घाटी की ओर उड़ान भर रहे थे। मैंने हजरत बल इबादतगाह और श्रीनगर स्थित गुरुद्वारा छठी पातशाही में भी अकीदत पेश की। हम हैलीकॉप्टर से गए, वह एकल इंजन और चार सीट वाला था और पायलट थे जेएस काहलों, वे राज्य के सिविल एविएशन डिपार्टमेंट के मुखिया भी थे। जम्मू से वापस आते वक्त, पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला पार करने के बाद मैंने महसूस किया कि हैलीकॉप्टर उड़ान-पथ से हटते हुए पहाड़ी की ढलान पर बने एक भवन-समूह की ओर जाने लगा है। इससे पहले कि मैं दरियाफ्त करता हम लोग एक भवन की छत पर उतर चुके थे। काहलों ने हमें जल्द से उतरने और माता वैष्णों देवी के दर्शन कर वापस आने को कहा। काहलों ने हैलीकॉप्टर ऐन गुफा के सामने उतारा था और इंजन चालू रखा, हम दोनों दर्शन के लिए भागे, शीश नवाया और दौड़ते हुए पुनः हैलीकॉप्टर में आन पंहुचे, जो फिर जम्मू की ओर रवाना हुआ। मैं इस किस्म के दुस्साहस और नियम-तोड़ने पर विस्मित था पर काहलों ने जोर देकर कहा कि मेरे कार्यकाल की सफलता के लिए यह करना जरूरी था। अलबत्ता इसके बाद धर्मस्थल प्रबंधकों ने काहलों को हतोत्साहित करने के लिए आंगन में एक बड़ा सा पत्थर रखवा दिया था! तो इस तरह मेरी उस व्यक्ति से मुलाकात हुई जो अपने पूर्व वायुसेना सहयोगियों और सिविल पायलटों के लिए जीते-जी किंवदंती थादृ किंग काहलों, शौर्य चक्र विजेता।

जितनी मर्तबा काहलों से साथ उड़े, एक नया अनुभव था और यह जानने को मिला कि क्यों वे किंग कहे जाते हैं। आम दिनों में भी पीर पंजाल के ऊपर उड़ान भरते वक्त हमें काले बादलों का आवरण दिखता और बहुत दफा मैंने उनको वापस लौटने की सलाह दी दृ लेकिन कोई फायदा नहीं। काहलों यहां-वहां तबतक हैलीकॉप्टर मंडराते हुए मौका ताड़ते जबतक कि बादलों के बीच पतली गलीनुमा रास्ता न मिल जाए, जिससे होकर हम गुजरते और पार होने पर मैं रोकी हुई सांस छोड़ता! कुछ मौकों पर हम कारगिल और लद्दाख गए। वहां जाते वक्त साथ में ऑक्सीजन सिलेंडर रखना अनिवार्य था, जिन्हें 8000 फुट की ऊंचाई के बाद इस्तेमाल किया जाता है। पर जब काहलों साथ हों तो सिलेंडर कभी-कभार ही नमूदार होते और अक्सर हम झंसकार दर्रे के ऊपर से होकर उड़ान भरते। पहाड़ी की चोटियों के पास हवा का घनत्व महीन होता है, इसलिए दोपहर से पहले इन्हें पार करना जरूरी है। एक मर्तबा हमें देर हो गई और हमेशा की तरह मैंने काहलों से लौटने की इल्तिजा की, लेकिन वे हैलीकॉप्टर ऊपर उठाते गए जबतक कि मैंने महसूस किया कि क्रॉस विंड के कारण हैलीकॉप्टर मानो एक जगह ठिठक गया हो। मैंने उनकी ओर देखा जबकि वे नियंत्रण पाने में व्यस्त थे जबतक कि बगल से आता हवा-दबाव न मिल जाए। अचानक उन्होंने हैलीकॉप्टर से ऐसे कुलांच लगवाई जैसे शो-जंपिंग में घुड़सवार करता है और क्षणभर में हम दर्रे से पार थे। यह थे काहलों, एक बेहतरीन, कुशलतम पायलट, जो इंसान और मशीन को आखिरी हदों तक विस्तार देने में महारत रखते थे।

किंग काहलों के साथ आम उड़ानें भी बोझिल नहीं हुआ करती थीं, पूरे समय रब को याद करना पड़ता! वे इलाके के चप्पे-चप्पे से वाकिफ थे और असाधारण चीज़ों के लिए उनकी आंख बहुत तेज़ थी। एक दिन पहाड़ों के ऊपर उड़ान भरते समय, धीरे-धीरे नीचे आने लगे और मुझे तीन-चार लोगों का सशस्त्र समूह दिखाकर पूरे यकीन से कहा कि आतंकी हैं, हमने यह सूचना तुरंत संबंधित क्षेत्राधिकारी को प्रेषित कर दी, हालांकि उस दुरूह जगह पंहुचना आसान नहीं था। पर काहलों की इस तरह की सतर्कता ने मेरे जम्मू-कश्मीर आने से पहले भी एक साहसिक राहत अभियान में मदद की थी। हुआ यूं कि विदेशियों के एक समूह को आतंकियों ने पहलगाम के पास से अगवा कर लिया था। बहुत बड़े खोज-अभियान के बावजूद सफलता नहीं मिली। एक दिन किंग काहलों उड़ान पर थे, उन्होंने गौर किया कि एक व्यक्ति चट्टान के किनारे पर रेंगकर चढ़ने में संघर्षरत है, उन्होंने हवा में मंडराते हुए पाया कि विदेशी है, तुरंत उतरने की माकूल जगह तलाशी और पहाड़ से उभरी एक छोटी सी जगह पर हैलीकॉप्टर लैंड कर दिया, लैंडिंग नाजुक थी लेकिन उन्होंने किसी तरह की। वह व्यक्ति बचा लिया गया दृ सुनने में कितना आसान लगता है, लेकिन यह न केवल उनके उड़ान कौशल का बल्कि सतर्क और सूक्ष्म दृष्टि का भी द्योतक है। ले. जनरल सकलानी (राज्यपाल के तत्कालीन सलाहकार) भी उस वक्त साथ थे।

यह एक अति दुस्साहसिक बचाव अभियान रहा जो आतंकियों से बच निकलने वाले की जीवटता और पायलट के व्यावसायिक कौशल का सम्मिश्रण था, दोनों श्लाघा के पात्र हैंदृ पर फिर हैलीकॉप्टर उड़ा कौन रहा था, किंग काहलों। ऐसे मौके भी आए जब काहलों ने मौत को चकमा दिया। एक बार जब श्रीनगर की डल झील के ऊपर उड़ रहे थे कि हैलीकॉप्टर पत्थर की मानिंद पानी में जा गिरा- शायद इंजन फेल हो गया था। फिर भी किंग काहलों और उनके सहयात्री जिंदा निकल आए। फिर एक मर्तबा मेरे कार्यकाल के दौरान जब वे कुछ पर्यटकों को, शायद फ्रांसिसी, स्कीइंग के लिए ऊंची चोटियों पर ले जा रहे थे, कुछ को उतार बाकियों को लाने के लिए फिर आते, एक फेरी में इंजन फेल हो गया और हैलीकॉप्टर बहुत गहरे खड्ड में जा गिरा। आरंभिक सूचना के मुताबिक लगा कि अब क्या बचा होगा, फिर भी टोही-राहत उड़ानें भेजी गईं और एक चमत्कार हुआ। किंग काहलों और पर्यटक जिंदा थे और हिल-डुल रहे थे। उन्हें तो बचा लिया गया।

इस बिंदु पर अगर पाठक पूछें कि उनके इस किस्म के दुस्साहसों को आखिर इतने लंबे समय तक जारी कैसे रहने दिया गया तो इसका छोटा-सा उत्तर है। उनके नियोक्ता यानि सूबे के मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला, जो अपने आप में एक अति दुस्साहसिक शख्सियत हैं और हद दर्जे के जोखिम उठा लेते हैं। वे सूबे के इंच-इंच से वाकिफ हैं और उड़ते वक्त भी एक-एक गांव का नाम और इलाके की जानकारी मुंह जुबानी याद है, यहां तक कि इस मामले में किंग काहलों भी उनके सानी नहीं थे। एक बार हम उच्च मार्ग के साथ-साथ जम्मू में उड़ान भर रहे थे जब किंग को वह ढाबा नजर आया जहां कभी वे दोनों रुके थे। फिर क्या था सड़क किनारे हैलीकॉप्टर उतारा गया। ढाबा मालिक दौड़ा आया और डॉक्टर अब्दुल्ला को गले लगाया। फिर जल्द ही गरमागर्म मसाला चाय के मग और पकौड़े आ गए (बिना कहे)। गुजरती गाड़ियों वालों को जब पता चला कि डॉक्टर अब्दुल्ला हैं तो मजमा लग गया, छोटी सार्वजनिक सभा में तब्दील हो गया और मुख्यमंत्री साहब ने धुंआदार भाषण दिया! आखिर शाम ढलने को हुई और कंट्रोल रूम से सकुशलता को लेकर संदेश आने लगे, उन्हें हमारी लोकेशन का पता नहीं था, हम वापस उड़ चले। डॉक्टर अब्दुल्ला के ऐसे बहुत से किस्से हैं और यह अपने लोगों से जुड़े रहने का अपना तरीका है। उनका अलमस्त व्यक्तित्व अभिजात्यता और आम आदमी वाली जिंदगी का रोचक मिश्रण है।

इसी तरह कारगिल युद्ध के आरंभिक दिनों में हम अग्रिम मोर्चे से लौट रहे थे और देर हो रही थी। मुख्यमंत्री ने सोनमर्ग के पास बड़ी संख्या में एकत्र लोगों का समूह देख लिया। लैंडिंग की गई और पाया कि वे फौजी हैं, जिन्हें अभी-अभी लाया गया था। वे रुड़की से आए थे। सिकोड़ कर रख देने वाली सर्दी थी और उन्होंने अभी भी गर्मी वाली वर्दी पहन रखी थी। मुख्यमंत्री ने जवानों और अफसरों से बातचीत शुरू की, क्योंकि मनोबल बढ़ाने के लिए उस वक्त यही कर सकते थे। मुख्यालय वापस आने पर इस विषय पर बैठक ली कि हम जवानों की कार्यस्थिति को और आरामदायक बनाने के लिए क्या-क्या कर सकते हैं, हम एक युद्ध लड़ रहे हैं और फौज सीमा पर तो पुलिस और अर्ध-सैनिक बल बाकी जगह डटे हैं, ऐसे में सबका ध्यान जरूरी है। उस वक्त समूचा प्रशासनिक तंत्र इसलिए परिणाम दे पाया क्योंकि हमारी पीठ पर केंद्र में बैठे प्रधानमंत्री वाजपेयी और राज्य में मुख्यमंत्री अब्दुल्ला का हाथ था। जिसने बलों की जोखिम उठाने और आक्रामकता की क्षमता एवं सक्रियता बनाई थी। ऐसे समय पर नेतृत्व आग और अनुभव से तपकर ढला हुआ व्यक्तित्व होना चाहिए। ठीक वैसे ही जैसे एक युद्ध कालीन जनरल अपनी और अपने लोगों की क्षमता को आखिरी सीमा तक विस्तार देता है और जमीनी हकीकत से बाखबर रहता है।

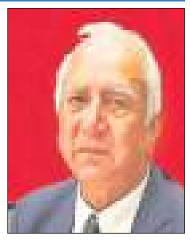

गुरबचन जगह

जो लोग अनजान हैं, उन्हें यह सब दुरुपयोग, शोशेबाजी, यहां तक कि गैर-जिम्मेदाराना रवैया लगता होगा। पर ठोस हकीकत यह है कि विकट हालात और माहौल को वही नेता संभाल सकता है जो औरों से हटकर नया सोच सके, जिसे पास माद्दा हो, हिम्मत हो और जिसमें खुद आगे से नेतृत्व करने वाली दृढ़ता हो न कि मुख्यालय के दफ्तर में बैठकर कागजी घोड़े दौड़ाने वाला। यह ऐसी शख्सियतों का समर्थन ही था जिससे उत्साहित हो किंग काहलों जोखिम भरी उड़ानें कर लेते थे और हमें इसका फायदा मिला।

आज किंग काहलों हमारे बीच नहीं हैं, यह हादसा तब हुआ जब मैं जम्मू-कश्मीर छोड़ चुका था। अमरनाथ गुफा को रोजाना की उड़ानों में एक फेरी में खराब मौसम की वजह से हैलीकॉप्टर नीचे उड़ा और बिजली की तारों में उलझ गया। लेकिन इस बार किंग काहलों मौत को चकमा नहीं दे पाए। पूरी तरह दुस्साहसिकता के करंट से लबरेज़ किंग और बिजली की तारें जाने का भी क्या अंदाज़ रहा। किंग काहलों आपकी आत्मा को शांति मिले!

बिना सुरक्षा उपकरण के कार्य करने पर लाइनमैन के साथ होते है हादसे

दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बना प्लान, आनन-फानन में हुआ लागू

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

किसी एक व्यक्ति के जाने से उसका पूरा परिवार परेशान हो जाता है। ऐसे में बिना सुरक्षा उपकरण के बिजली के खंबों पर चढ़कर बिजली की लाइन पर काम करने वाले लाइनमेन के साथ हादसें की संभावना अधिक होती है। बिजली कंपनी के अधीक्षण यंत्री ने इन घटनाओं को रोकने के लिए अपने स्तर पर नवाचार करते हुए इन घटनाओं को रोकने के लिए प्लान बनाया है। जिसे आनन-फानन में लागू किया है। अब बिना नियमों की जानकारी और बिना सुरक्षा उपकरण के किसी भी खंबे पर चढ़कर कोई लाइनमेन काम करेगा तो इसके लिए उस क्षेत्र के अधिकारी जवाबदार होंगे। इतना ही नहीं लाइन पर काम करने वाले कर्मी के परिवार को भी पत्र भेजकर उन्हें बिना उपकरण से नहीं जाने देने की बात कही जाएगी। खंबे पर अब कोई बिना उपकरण के दिखा तो उसे घर भेजकर सजा दी जाएगी और अधिकारी पर भी कार्रवाई होगी। खंबे पर काम करने के दौरान हर दिन लाइनमेन का फोटो संबंधित क्षेत्र के डीसी ग्रुप में देना भी अनिवार्य किया गया है।

नियमों की जानकारी व सुरक्षा उपकरण होना जरुरी

लाइन पर काम करने के दौरान कर्मी के पास सेफ्टी शूज से लेकर बेल्ट और हेलमेट सहित ग्लब्ज सहित अन्य उपरकण होना जरुरी होता है। कंपनी से इन्हें दिए भी जाते है लेकिन यह उपयोग नहीं करते है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा हर हाल में इन उपकरणों का उपयोग करना होगा। नहीं तो काम से घर भेजा जाएगा और अफसरों पर भी कार्रवाई सीधे जिले से होगी। वहीं लाइन पर काम करने के दौरान सुरक्षा के लिए जो नियम होते है उनकी सभी को पूर्ण जानकारी होना चाहिए। इसमें अर्थ से लेकर परमिट और लाइनों के आपस में उलझने के दौरान करंट आने सहित अन्य समूचे नियम होंगे। इसके लिए नियमावली सभी कर्मियों को दी जा रही है। जिनकी जानकारी उन्हें होना चाहिए। इसके लिए हर माह सत्यापन करते हुए प्रमाण पत्र दिए जाएंगे और बिना इसके काम पर नहीं लिया जाएगा। वहीं बार-बार अवहेलना करने वालों पर निलंबन तक की कार्रवाई की जाएगी।

हादसों में हो रही मौतों को रोकने के लिए यह बनाया प्लान

बिजली कंपनी की लाइन पर हो रहे हादसों और इनमें हो रही मौतों को रोकने के लिए अधीक्षण यंत्री ने प्लान तैयार कर सभी को आदेश भेजे है। इसमें डीसी स्तर पर व्हासअपग्रुप पर हर दिन लाइन पर होने वाले काम के फोटो लोड होंगे। इसकी मॉनीटरिंग अधिकारी करेंगे। वहीं हर माह सुरक्षा उपकरण को लेकर लाइनमेन को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। जिसके पास नहीं है उन्हें दिए जाऐंगे और हर लाइनमेन इनका उपयोग करें यह भी अधिकारियों की जवाबदारी तय की है। इसके अलावा सभी कर्मियों को नियमों की जानकारी हो यह भी सुनिश्चित किया जाएगा। आम आदमी भी बिना सुरक्षा उपकरण के काम करने वाले कर्मी के फोटो अधिकारियों को भेजे सकेंगे। कंपनी की गोपनीय टीमें भी इसकी लगातार निगरानी करेंगे।

सर्वे में आया सामने इसलिए होते है हादसें

बिजली कंपनी की लाइनों में लाइनमेन के खंबों से गिरने के जो हादसें हो रहे है उन पर कंपनी के अधिकारियों ने पूरे जिले में रिपोर्ट मंगवाई और सर्वे भी किया। इसमें इसके कारण भी सामने आए। इसमें पाया कि सुरक्षा उपकरण पेनकर काम करने के दौरान कर्मियों सहजता महसूस नहीं करते है इसलिए इसका उपयोग नहीं करते है। 15 प्रतिशत से अधिक मामलों में बिना सुरक्षा उपकरणों के ही खंबों पर चढ़कर काम किया जा रहा है। कई वर्षो से काम करने के दौरान अतिआत्मविश्वास में लापरवाही लाइनमेन करते है और हादसें का शिकार हो जाते है। कभी सुरक्षा उपकरण व नियमों को लेकर सत्यापन होता ही नहीं है। कंपनी की लाइनें आपस में उलझ रही है ऐसे में दूसरी लाइन से करंट मिलने पर जिस पर काम हो रहा है उसमें भी करंट आ जाता है। इन्हीं सभी का अध्ययन करने के बाद घटनाओं को रोकने के लिए प्लान बनाकर इस पर काम किया जा रहा है।

फैक्ट फाइल..

कर्मियों के साथ घटित दुर्घटनाओं की संख्या वर्ष 2021-2022 में 1 घातक एवं 8 अघातक रही। वही अप्रेल एवं मई 2022 में 2 घातक एवं 2 अघातक रही।

घटनाओं को रोकने तैयार किया प्लान

म.प्र. विद्युत वितरण कंपनी अधीक्षण यंत्री सुधीर आचार्य ने बताया, लाइन पर काम करने के दौरान होने वाली घटना दुखदाई है। शामगढ़ घटना में लाइनमैन की मौत के बाद इसके लिए प्लान तैयार किया है। इसमें अब नियमों की जानकारी व सुरक्षा उपकरणों को लेकर हर माह भौतिक सत्यापन करने के बाद इसके प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे। बिना सुरक्षा उपकरण काम करने वाले का फोटो बनाए गए ग्रुप पर आएगा और संबंधित जेई और डीई इसे देखेंगे। नियमों को लेकर प्रशिक्षण देने के साथ हर लाइमैन के पास सेफ्टी बेल्ट से लेकर हेलमेट व शूज के अलावा अन्य उपकरण हो यह भी सुनिश्चित किया जाएगा। यहां तक की लाइनमैन के परिवारों को पत्र भेजे जाएंगे। इसमें परिजनों को बिना सुरक्षा उपकरण लाइनमैन को काम पर नहीं जाने के लिए परिजनों को कहा जाएगा।

दो ग्राम पंचायतों में कोई उम्मीदवार नहीं तो चार पंचायतों में समरसता के साथ चुना सरपंच

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में पंचायत चुनाव का रण शुरु होने से पहले ही पंचायतों ने समरसता का संदेश दिया है। 468 में से 4 ग्राम पंचायतों में समरसता के साथ सरपंच चुना गया है। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा इस बार पंचायत चुनाव में समरस आने वाली पंचायत को पुरुस्कार देने की घोषणा की है। इसका असर यहां दिखाई दे रहा है। नाम निर्देशन प्रक्रिया के बाद 4 पंचायतों में सरपंच निर्विरोध जिले में आए है। तो वहीं 16 पंचायत में दो-दो नामांकन है ऐसे में वहां भी नाम वापसी होती है तो निर्विरोध की संभावना है। लेकिन दो ग्राम पंचायतों में उम्मीदवार ही नहीं मिले है। चार पंचायतों के ग्रामीणों ने तो सरमरसता का संदेश देते हुए चुनाव में नहीं जाने का फैसला लेते हुए समरसता के साथ अपना प्रधान चुना है। हालांकि 10 जून को नाम वापसी के बाद निर्विरोध पंचायत की संख्या बढने् की संभावना जताई जा रही है।

4 निर्विरोध, 13 में आमने-सामने टक्कर तो दो में नहीं मिलें उम्मीदवार

नाम निर्देशन प्रक्रिया के बाद पंचायत की स्थिति साफ हो गई है। इसमें जिले की 4 पंचायतें निर्विरोध आई है तो 16 में आमने-सामने की टक्कर है। साथ ही दो पंचायतें ऐसी है जहां पर उम्मीदवार ही नहीं मिले है। ऐसे में सरपंच के उम्मीदवार है ही नहीं। भानपुरा जनपद पंचायत की लेदीकला ग्राम पंचायत, मल्हारगढ़ जनपद की ग्राम पंयायत अरनिया जाट, आक्याबिका, सनावदा में निर्विरोध सरपंच तय हुए है। वहीं दो पंचायत मंदसौर की मुल्तानपुरा व गरोठ जनपद की बरखेड़ा लोया में सरपंच के उम्मीदवार ही नहीं मिले है। इसके साथ ही भानपुरा जनपद की कोटड़ीटेंक, कुकडेश्वरा, अरन्या चारण के साथ मल्हारगढ़ जनपद की दौरवाड़ा, दौबड़ा, मंदसौर जनपद की जमालपुरा, बाबरेचा, आधारी निरधारी, कुचड़ोद, खोड़ाना के साथ सीतामऊ जनपद की कोटड़ा बहादुर, प्रतापपुरा गरोठ जनपद की सुराखेड़ी ग्राम पंचायत में आमने-सामने की टक्कर है। यहां दो-दो उम्मीदवार ने नामांकन किया है। इसमें से नामांकन कोइ वापस लेता है यहां भी सरपंच निर्विरोध चुना जाएगा। वहीं 30 से 54 पंचायतें ऐसी है जहां तीन-तीन उम्मीदवार है।

107 वर्ष की उम्र में दादी ने कराई दिल की सर्जरी

भोपाल।

कहते हैं कि, अगर जीने की उम्मीद हो तो मौत भी हार जाती है। ऐसा ही कुछ देखने को मिला मध्य प्रदेश की रहने वाली 107 वर्ष की महिला के साथ। महिला को एक सप्ताह में दो बार हार्ट अटैक आया, लेकिन उन्होंने जीने की उम्मीद नहीं छोड़ी और इसी उम्मीद के दम पर मारेंगो सिम्स अस्पताल में डॉक्टरों ने महिला की सफल एंजियोप्लास्टी की। यह सर्जरी डॉ. केयूर पारिख की टीम ने की।

दरअसल, मध्य प्रदेश की महिला को दिल का दौरा पड़ने के बाद अहमदाबाद के मारेंगो सिम्स अस्पताल ले जाया गया था। वहां जब महिला की एंजियोग्राफी की गई तो पता लगा कि महिला के हृदय की धमनियों में 99 प्रतिशत तक रुकावट है। महिला की गंभीर हालत और उनकी उम्र डॉक्टरों के सामने चुनौती बनकर खड़े हुए थे। लेकिन डॉ. पारिख की टीम ने सफलतापूर्वक महिला के दिल की सर्जरी की। सर्जरी को लेकर हॉस्पिटल के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि उन्होंने दुनिया की सबसे बूढ़ी महिला की नॉर्मल सर्जरी के साथ ही रिकॉर्ड बनाया है।

यह बोले घरवाले

इस सर्जरी को करने वाली टीम को लीड करने वाले डॉ. पारेख ने कहा, हमने हजारों एंजियोप्लास्टी की हैं। हमारा अनुभव हमारे काम आया और हमने जीरो एरर के साथ इलाज को सिर्फ 15 मिनट में पूरा किया।

महिला के परिवार के एक सदस्य ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारी दादी हजारों साल जिएं। इस हॉस्पिटल में हमारे दादाजी का भी ऑपरेशन किया गया था। हमने अपनी आंखों से उनकी हालत में तेजी से सुधार देखा था। इसलिए हम अपनी दादी को भी यहीं लेकर आए। हमें यकीन था कि हमारी दादी जल्द ठीक हो जाएंगी।

चुनाव की घोषणा के बाद उम्मीदवार पार्टी से अधिकृत होने का कर रहे इंतजार

माही की गूंज, भानपुरा।

– विनीत राजेश यादव

– मनुप्रिया विनीत यादव।

मध्यप्रदेश पंचायत चुनाव में आरक्षण के बाद भी दोनों पार्टियां अंतिम दिनांक तक भी अधिकृत उमीदवार कि घोषणा नहीं कर पाई। जिसके बाद सभी दावेदारों द्वारा अंतिम दिनांक तक नामांकन भर अधिकृत होने का इन्तजार किया जा रहा है। जिला पंचायत की बात करें तो स्वर्गीय विधायक राजेश यादव के पुत्र विनीत राजेश यादव ने 16 से तो पुत्रवधु मनुप्रिया विनीत यादव ने 17 से नामांकन भरा है। स्वर्गीय विधायक राजेश यादव का जुड़ाव सीधा जनता से रहा है। राजेश यादव के प्रशंसकों की तादाद क्षेत्र में लाखों में है, गरोठ भानपुरा क्षेत्र मे भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करने मे विशेष योगदान रहा है। राजेश यादव जिला पंचायत सदस्य, जिला पंचायत उपाध्यक्ष व गरोठ-भानपुरा विधानसभा से से दो बार विधायक भी रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में ऐसे कार्य किए हैं जिनकी प्रशंसा कर लोग आज भी राजेश यादव को याद करते हैं। राजेश यादव के देहांत के बाद हुए उपचुनाव में उनके पुत्र विनीत राजेश यादव एक मजबूत दावेदार थे। फिलहाल दोनों वार्ड कि जनता विनीत यादव को पसंद कर रही है।

नगर निगम कर्मचारी ने दिनदहाड़े किया डीजल चोरी, वीडियो हुआ वायरल कर्मचारी निलंबित

माही की गूंज, रतलाम।

नगर निगम के एक कर्मचारी का सरकारी गाड़ी में से दिनदहाड़े डीजल चोरी करते वीडियो वायरल हुआ है। जिस कर्मचारी का वीडियो वायरल हुआ है वो स्वच्छता अभियान 2022-2023 में लगे मैजिक वाहन में से डीजल चोरी कर रहा था। वीडियो वायरल होने के बाद नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने कर्मचारी को बर्खास्त कर दिया है। नगर निगम के वार्ड नंबर 32 क्षेत्र में मैजिक वाहन चलाने वाले चालक मनोज मल्होत्रा का स्वच्छता संग्रहण के लिए लगी वार्ड की मैजिक में से डीजल चोरी करते वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने मनोज को बर्खास्त कर दिया है। इसके साथ पुलिस में एफआईआर के आदेश जारी कर दिए है।

किसी ने बनाकर दिया वीडियो

निगम आयुक्त झारिया ने बताया कि, मैजिक वाहन चालक मनोज का एक व्यक्ति के साथ बैठकर सरकारी वाहन में से डीजल निकालते वीडियो प्राप्त हुआ। 43 सैकेंड के वीडियो में यह साफ नजर आ रहा था कि कर्मचारी वाहन के डीजल टेंक में से पाइप डालकर डीजल को प्लास्टिक की बोतल में भर रहा है। इस वीडियो को देखने के बाद कर्मचारी को बुलाकर सत्यता का परीक्षण किया गया। आयुक्त झारिया ने बताया कि, कर्मचारी ने इस बात को मान लिया कि उसने मैजिक वाहन में से डीजल निकाला था। इसके बाद उसको बर्खास्त कर दिया गया। इस मामले के बाद अन्य कर्मचारियों के बारे में भी जानकारी निकाली जा रही है कि वो भी इस तरह का काम तो नहीं करते है। इसके लिए आयुक्त झारिया ने प्रतिदिन भराए जाने वाले डीजल व मैजिक के औसत एवरेज की जानकारी देने के आदेश निगम के कर्मचारियों को दे दिए है। इसके अलावा कर्मचारी के खिलाफ पुलिस में प्रकरण दर्ज कराने के आदेश भी जारी कर दिए गए।

नूपुर शर्मा के खिलाफ अंजुमन कमेटी ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, भानपुरा।

नूपुर शर्मा के खिलाफ देशभर में मुस्लिम समाज लामबंद हो रहा है व सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। इसी क्रम में भानपुरा में भी शहर काजी इमरान अली के नेतृत्व में अंजुमन इस्लामियां कमेटी भानपुरा की तरफ से भानपुरा तहसीलदार नागेश पवांर को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन मे बताया गया कि, नुपुर शर्मा द्वारा न्यूज चैनल पर डिबेट के दोरान नबी पैगंबर मोहम्मद साहब की शान में गुस्ताखी की गई, जिससे पूरे मुस्लिम समाज की भावना को ठेस पहुंची हे। अंजुमन कमेटी द्वारा नुपुर शर्मा पर कार्रवाई करने और गिरफ्तारी की मांग की गई।

ज्ञापन का वाचन अंजुमन कमेटी सचिव इरफान अंसारी द्वारा किया गया। इस दौरान शहर काजी इमरान अली, अंजुमन कमेटी सदर मोहसिन कुरैशी,नायब सदर मुस्तकिम कादरी, इरफ़ान अंसारी, अशफाक पठान, वसीम खान, नजीर अगवान, साहिल अगवान, मेहफूज पठान,जाफर खान अमजद खान, बशीर अंसारी, रईस हुसैन, फरीद मुल्तानी, हाजी मुन्ना व अन्य अंजुमन कमेटी सदस्य व मुसलिम समाज के लोग मौजूद रहे।

तीन हादसों में चार लोगों की मौत, 40 से ज्यादा घायल

रीवा।

सड़क को सुरक्षित कैसे बनाया जाए...? इसे लेकर हमेशा माथापच्ची की जाती है। लेकिन तमाम दावों के बावजूद सड़क सुरक्षा किसी चुनौती से कम नहीं। आए दिन भीषण सड़क हादसे होते ही रहते हैं। हाल ही में उत्तरकाशी में सड़क हादसे में 2 दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत ने पूरे देश को सन्न कर दिया था। मृतक मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के थे। इसी राज्य के रीवा जिले में पिछले 17 घंटों के अंदर 3 बड़े हादसे हो चुके हैं। इन हादसों में कई लोगों ने अपनों को गंवाया है और कई लोग अभी भी अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं।

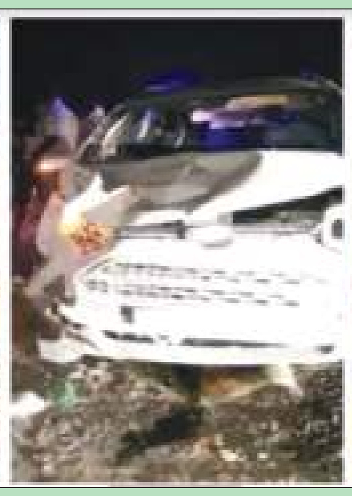

सबसे ताजा हादसा मंगलवार को हुआ है। रीवा जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत रतहरा बाईपास के पास सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां डंफर की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद घटनास्थल पर ही घंटों तीनों के शव पड़े रहे। इस घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने घटनास्थल पर चक्का जाम कर दिया। जिसके बाद मौके पर स्थानीय लोगों की काफी भीड़ लग गई। घटना की जानकारी लगने के बाद वहां पहुंची पुलिस ने तीनों शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

टक्कर इतनी जोरदार थी की मृतकों के शव क्षत-विक्षत हो गए थे। घटना के बाद मौके पर लोगों की काफी भीड़ इकट्ठा हो गई और अक्रोशित लोगों ने घटनास्थल पर जाम लगाकर आवागमन को बाधित कर दिया। घटना की जानकारी लगने के बाद मौके पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा कर जाम खुलवाया और सड़क पर पड़े शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

घटना के बाद डंफर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया था और गड़रिया मोड़ के पास डंफर छोड़कर भाग गया था। पुलिस ने डंफर को जब्त कर लिया है। इस दर्दनाक हादसे में मरने वालों में एक महिला और दो पुरुष शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि, ये तीनों बाइक पर सवार होकर रायपुर कर्चुलियान की तरफ से रतहरा बाईपास के समीप ओवरब्रिज के नीचे से होकर शहर की तरफ जा रहे थे। तभी यह हादसा हुआ था। इस हादसे में तीनों बाइक सवारों की मौके पर ही मौत हो गई।

बस और कार की टक्कर

इससे पहले सोमवार की रात इसी जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सोलर प्लांट के समीप मोहनिया घाटी के पास सड़क हादसा हो गया। सीधी से नागपुर जा रही प्रधान ट्रेवल्स की बस, कार से टकराकर अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस हादसे में इलाज के दौरान एक वृद्ध यात्री की मौत हो गई है जबकि आधा दर्जन से ज्यादा यात्रियों की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों को इलाज के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां पर उनका उपचार चल रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

शस्त्र लायसेंस निलम्बित, किसी के पास मिलेंगे तो होगी कार्रवाई

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवराजसिंह वर्मा ने त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन एवं नगर निकायो के निर्वाचन के मद्देनजर ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के स्वीकृतशुदा शस्त्र लायसेंस को चुनावी प्रक्रिया सम्पन्न होने तक निलम्बित कर दिया है। जिसके कारण ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र के लायसेंस धारी शस्त्र धारको को अपने शस्त्र अविलम्ब क्षेत्र के संबंधित थाने में जमा कराने के निर्देश दिये थे। जमा कराये गये शस्त्र, निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात ही संबंधित को वापस किये जायेंगे।

कलेक्टर ने बताया कि, यदि किसी के पास शस्त्र मिले तो उसे अविलम्ब जप्त करते हुये लायसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी। उन्होने बताया कि, उक्त प्रतिबंध लागू हो जाने से सिर्फ कानून व्यवस्था के लिये नियुक्त लोक सेवक, अधिकृत बैंक कर्मचारी जिन्हें अपने कर्तव्य स्थल पर कर्तव्य पालन के लिये हथियार रखना आवश्यक है। वे ही अपने पास शस्त्र रख सकते है।

जिला दण्डाधिकारी ने 5 लोगों को किया जिला बदर

माही की गूंज, बड़वानी।

जिला दण्डाधिकारी बड़वानी शिवराजसिंह वर्मा ने पुलिस रिपोर्ट के आधार पर 5 व्यक्तियो को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जिला बदर किया है। जिला बदर की अवधि में यह व्यक्ति राजस्व सीमा बड़वानी एवं उसके समीपवर्ती जिले धार, झाबुआ, अलिराजपुर, खरगोन, खण्डवा, बुरहानपुर, इंदौर की राजस्व सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार जिला दण्डाधिकारी ने ग्राम बिजासन के राजेन्द्र शोभाराम मालवीय, ग्राम नागलवाड़ी के मोबिन उर्फ मोहन बंशीलाल तडवी, ग्राम पिपलूद के यश पिता देवेन्द्र जाट, ठीकरी के रमीज उर्फ राजा पिता रफीक खान, नागलवाड़ी के प्रकाश पिता बाबुलाल बर्फा को 6-6 माह के लिए जिला बदर किया।

अवैध कॉलोनियों में रजिस्ट्री की जानकारी पंजीयक ने की प्रस्तुत

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में अवैध कॉलोनियों पर कार्यवाही की पकड़ तेज होती जा रही है। कलेक्टर कुमार पुरूषोत्तम अवैध कॉलोनियों के संबंध में लगातार समीक्षा कर रहे हैं। टीएल बैठक में दिए गए निर्देशानुसार जिला पंजीयक आरएन शर्मा द्वारा मंगलवार को कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के समक्ष अवैध कॉलोनियों के भूखंडों के विक्रय पत्र की जानकारी प्रस्तुत कर दी गई है। जिला पंजीयक आरएन शर्मा द्वारा प्रस्तुत जानकारी में खरगोन सहित 8 पंजीयक कार्यालयों की जानकारी है। इसमें सबसे अधिक विक्रय पत्रों की जानकारी बड़वाह उपपंजीयक कार्यालय की है। बड़वाह में सबसे अधिक 21, खरगोन में 20, सनावद में 15, कसरावद में 6, सेगांव में 5, महेश्वर में 4, भीकनगांव में 3 और करही में एक विक्रय पत्र जारी हुआ है। इस तरह कुल 08 निकायों की विभिन्न अवैध कॉलोनियों में विगत 15 दिनों में कुल 75 भूखण्डों की रजिस्ट्री हुई है। इस जानकारी के बाद अब एसडीएम अपनी तैयारी के साथ अवैध कॉलोनियों पर कार्यवाही करेंगे।

सूचना और सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों पर खनिज अधिकारी हुए सक्रिय

माही की गूंज, खरगोन।

इन दिनों जिले में कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशन में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन पर लगाम कसने की लगातार कार्यवाहियां हो रही है। दिन हो या रात जब भी अवैध उत्खनन की शिकायत मिलती है। तुरंत राजस्व और खनिज विभाग योजना बनाकर दबिश देने में चूक नहीं कर रहा है। बीती रात की ही बात है। एसडीएम कसरावद संघप्रिय के पास बड़गांव में अवैध रेत खनन की सूचना मिली। एसडीएम संघप्रिय और खनिज अधिकारी सावन चौहान ने योजना बनाई। एसडीएम संघप्रिय ने अपने दल और मोटर सायकिल को तैयार रखा तब तक खनिज अधिकारी खरगोन से कसरावद रात 11 बजे पहुँच गए। यहां से खनिज और राजस्व विभाग का दल 3 बाइक पर संवार होकर निकल पड़े। दल बड़गांव में बंद पड़ी रेत खदान के पास पहुँचे, जहां जेसीबी पहले से ही सूचना के मुताबिक खनन कर रही थी। अमले ने तुरंत रेत खनन करते रोका और जेसीबी को कसरावद थाने में पुलिस अभिरक्षा में खड़ा कर दिया।

शिकायतकर्ता बना मुखबिर

खनिज अधिकारी श्री चौहन ने बताया कि, खरगोन से कसरावद जाते समय ही बरूड़ में अवैध रेत खनन की शिकायतकर्ता का रात 11 बजे कॉल आया था। कसरावद की कार्यवाही पूर्ण करने के बाद दल बरूड़ की और रवाना हुआ। शिकायतकर्ता ने मुखबिर की तरह कार्यवाही में सहयोग किया। खरगोन से फिर 2 मोटर सायकिल की व्यवस्था की और बरुड़ कि मोहनी नदी पर लगभग 2:30 बजे पहुँचे। यहां एक जेसीबी से अवैध रेत खनन करते देखा। साथ ही ट्रेक्टर भी रेत भरने के लिए खड़ा था। मोटर सायकिल देखते ही उत्खननकर्ता भागने लगे लेकिन जेसीबी और ट्रैक्टर का चालक दल से बच नहीं पाए। मौके पर उत्खननकर्ताओ की बाइक भी खड़ी पायी गई। तीनो वाहनों को थाना बरुड़ में पुलिस अभिरक्षा में सौंपा गया।

बरुड़ तालाब भी रात में चेक किया

बरुड में कार्यवाही करने के बाद टीम सिनखेड़ा हवाई पट्टी के पास तालाब में अवैध उत्खनन की सीएम हेल्पलाईन की शिकायत का संज्ञान लिया। रात में ही पहुँचकर तालाब में सुबह साढ़े 4 बजे जेसीबी द्वारा मिट्टी हटाकर रेत निकाली जा रही थी। एक रात में तीन स्थानों की कार्यवाही में 3 जेसीबी, एक ट्रेक्टर और एक मोटरसाइकिल जप्त कर थानों में वाहन रखें गए है।

नरवाई जलाने की घटनाओं में आई कमी

माही की गूंज, खरगोन।

बुधवार को कृषि उत्पादन आयुक्त शैलेन्द्र सिंह ने इंदौर संभाग के आयुक्त और समस्त कलेक्टर्स व विभागीय अमले के साथ एपीसी की बैठक वीसी के माध्यम से की। बैठक में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाने को लेकर चर्चा में कहा कि भोपाल से सैटेलाइट के माध्यम से नरवाई की मॉनिटरिंग हो रही है। प्रदेश में इस मॉनिटरिंग का डेटा कलेक्ट करने के बाद जिलों को ईमेल के द्वारा जानकारी भेजी जाती है। इसके बाद सम्बंधित विभाग को नरवाई जलाने वालों पर जुर्माने की कार्यवाही करना है। पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत डेटा में खरगोन जिले में नरवाई जलाने के मामले में वर्ष 2020-21 की तुलना में कमी आयी है। खरीफ 2020 में 90 और 2021 में 27 इसी तरह रबी 2021 में 63 की तुलना में 2022 में 48 नरवाई जलाने की घटनाएं सामने आई है। जुर्माने लगाने की कार्यवाही को लेकर कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कृषि उपसंचालक एमएल चौहान को फाइल पुट अप करने के निर्देश दिए हैं। वीसी में उद्यानिकी उपसंचालक श्री मोहन मुजाल्दा, सहकारिता विभाग की स्वेता सिंह, पशु चिकित्सा विभाग के उपसंचालक श्री रत्नावत, फिशरीज के श्री सोलंकी उपस्थित रहे।

प्राकृतिक खेती के डेमोस्ट्रेशन की तैयारी करे

वीसी के दौरान उत्पादन आयुक्त श्री सिंह ने कृषि विभाग को निर्देश दिए कि नर्मदा नदी के दोनों तटों पर 5-5 किमी. के दायरे में जो किसान अपनी इच्छा से प्राकृतिक खेती करना चाहता है तो उसे बढ़ावा दे। किसानों को इस खेती पर फोकस करने के लिए डेमोस्ट्रेशन भी लगाए। केवल सीरियस किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर ले जाने के लिए प्रेरित करें।

ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही सेंस की गतिविधियां

माही की गूंज, बड़वानी। त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के मददेनजर सम्पूर्ण जिले के ग्रामीण क्षेत्रो में सेंस की गतिविधियॉ सतत संचालित की जा रही है। इसके तहत जहॉ प्रचार रथ के माध्यम से ग्रामीणों को अपने मताधिकार का उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है, वहीं लोगो को सामूहिक रूप से अपने मताधिकार का उपयोग करने एवं दूसरो को भी प्रोत्साहित करने की शपथ दिलाई जा रही है। सेंस के नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अनिल कुमार डामोर से प्राप्त जानकारी अनुसार सेंस की गतिविधियों में विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं के पदाधिकारी भी अपना पूर्ण योगदान दे रहे है। इसके तहत वे प्रचार रथ के माध्यम से लोगो को आडियो संदेश एवं पम्पलेट का वितरण कर जहॉ जागरूक कर रहे है। वहीं आंगनवाड़ी एवं ग्रामीण विकास का मैदानी अमला भी घर-घर, द्वार-द्वार, खेत-खलिहान में पहुंचकर लोगो को जागरूक कर रहा है। इस दौरान मैदानी अमला जहॉ ग्रामीणों को मतदान की तिथि से अवगत करा रहा है, वहीं विभिन्न चार प्रकार के मतपत्रों में से कौन सा मतपत्र किसके लिये है, यह भी पम्पलेट के माध्यम से बता रहा है। इसी प्रकार शिक्षण संस्थानो में भी सेंस की गतिविधिया आयोजित कर विद्यार्थियो को भी अपने मताधिकार का उपयोग करने एवं घर, परिवार के लोग भी करें इसकी शपथ दिलाई जा रही है।

जिले में कम से कम 5 आदर्श मतदान केन्द्र बनायें- राज्य निर्वाचन आयुक्त

माही की गूंज, खरगोन।

राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा है कि, जिले में कम से कम पॉच मतदान केन्द्रों को आदर्श मतदान केन्द्र के रूप में तैयार किया जाए। इन मतदान केन्द्रों में मतदान दिवस पर जरूरी व्यवस्थाएँ कर आदर्श मतदान केन्द्र बनाया जा सकता है।

आदर्श मतदान केन्द्र की विशेषताएँ

मतदान केन्द्र भवन के भू-तल पर बनायें। प्रवेश द्वार को तोरण द्वार, रंगोली, गुब्बारों एवं फूलों आदि से सजायें। मतदाताओं के लिए छायादार प्रतीक्षा कक्ष, बैठने के लिए कुर्सियाँ/स्वच्छ दरी आदि की व्यवस्था करें। पेयजल, शौचालय की व्यवस्था और सुगम पहुँच मार्ग बनायें। महिला एवं पुरूषों के लिए पृथक-पृथक लाइन बनाने के साथ ही वरिष्ठ, वृद्ध, बीमार एवं दिव्यांग मतदाताओं को मतदान में प्रथामिकता दिलाये। प्रवेश एवं निर्गम द्वार पृथक-पृथक बनायें। रैम्प और व्हील चेयर और फर्स्ट एड बॉक्स की व्यवस्था करें। मतदान केन्द्र के पास सुविधा केन्द्र की स्थापना और आदर्श मतदान केन्द्र के प्रत्येक मतदाता को 100 प्रतिशत मतदाता पर्ची का वितरण करें।

चयनित 30 नैत्र रोगियों का होगा इन्दौर में निःशुल्क आपरेशन

माही की गूंज, बड़वानी।

जिला अंधत्व निवारण समिति बड़वानी एवं चैइथराम नेत्रलाय इंदौर के सहयोग से जिला चिकित्सालय बड़वानी में लगाये गये नैत्र परीक्षण शिविर में 30 रोगियो का चयन किया गया है। चयनित इन रोगियो का मोतियाबिन्द आपरेशन अब इन्दौर के चैइथराम अस्पताल में निःशुल्क होगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता सिंगारे से प्राप्त जानकारी अनुसार बुधवार को जिला चिकित्सालय बड़वानी में लगाये गये नैत्र रोग परीक्षण शिविर में 78 रोगियो ने अपना परीक्षण करवाया था। इन रोगियो का परीक्षण चैइथराम अस्पताल के विशेषज्ञो ने कर 30 पात्र रोगियो का चयन आपरेशन हेतु किया है। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव जिला न्यायाधीश अमितसिंह सिसोदिया ने भी केम्प में उपस्थित होकर जहॉ रोगियो को प्रोत्साहित किया। वहीं उन्हें अपने हाथो से भोजन भी वितरित किया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक (अंधत्व) एवं नेत्र चिकित्सक डॉ. आशीष सेन से प्राप्त जानकारी अनुसार चयनित इन रोगियो को अब निःशुल्क वाहन सुविधा उपलब्ध कराते हुये इन्दौर भेजा गया, जहॉ पर इनका आपरेशन पूरी तरह से निःशुल्क होगा। साथ ही समस्त मरीजों को निशुल्क चाय, नाश्ता, भोजन, दवाईया, चश्मा की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी ।

एनआईसी के माध्यम से अधिकारियों ने कृषि उत्पादन आयुक्त से की विडियो कान्फ्रेसिंग

माही की गूंज, बड़वानी।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने बुधवार को विडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलो में खरीफ के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस विडियो कान्फ्रेसिंग समीक्षा में संभाग आयुक्त सहित जिलो के कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, उपसंचालक कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी के साथ-साथ नान, डेयरी सहित अन्य विभागों के पदाधिकारियो ने भी अपने जिले के एनआईसी के माध्यम से भाग लिया एवं जिले में खरीफ के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं से अवगत कराया।

जिला रिटर्निंग अधिकारी ने दो नाम-निर्देशन पत्र को किया निरस्त

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सदस्य निर्वाचन के रिटर्निंग अधिकारी शिवराजसिंह वर्मा ने मंगलवार को नाम - निर्देशन पत्रों की सवीक्षा के दौरान वार्ड क्रमांक 2 से दुर्गासिंग नाहरसिंह एवं वार्ड क्रमांक 4 से श्रीमती अंजली रूलसिंह के दस्तावेजो पर आई आपत्ति के पश्चात बुधवार को एसडीएम एवं जिला पंचायत सीईओ से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आपत्तिकर्ताओं की शिकायत को सही पाते हुये वार्ड क्रमांक 2 से दुर्गासिंह नाहरसिंह एवं वार्ड क्रमांक 4 से श्रीमती अंजली रूलसिंह के नाम निर्देशन पत्रों को निरस्त कर दिया है। कलेक्टर की इस कार्यवाही के पश्चात अब जिला पंचायत के 14 वार्डो में वैध नाम निर्देशन पत्रों की संख्या 67 रह गई है। वहीं बुधवार को वार्ड क्रमांक 14 के अभ्यर्थी वांगरया गौरसे द्वारा अपना नाम निर्देशन पत्र वापस ले लेने से अब जिला पंचायत के कुल 14 वार्डो में अभ्यर्थियो की संख्या 66 रह गई है। कलेक्टर एवं जिला पंचायत सदस्य के रिटर्निंग अधिकारी शिवराजसिंह वर्मा ने वार्ड क्रमांक 2 के अभ्यर्थी दुर्गासिंह नाहरसिंह मेहता के द्वारा प्रस्तुत अदेय प्रमाण पत्र पर आपत्ति दर्ज कराने वाले बलवंतसिंह पटेल की आपत्ति को सहीं पाते हुये अपने निष्कर्ष में बताया है कि ग्राम पंचायत वेदपुरी के तत्कालिन प्रधान दुर्गासिंह मेहता, सचिव दीपेश पाण्डे एवं ग्राम रोजगार सहायक सचिन कुशवाह पर संयुक्त रूप से 4 लाख 80 हजार 119 रूपये की वसूली पारित की गई थी। किन्तु दुर्गासिंह मेहता को एक लाख 60 हजार 40 रूपये जमा कराने पर संबंधित परियोजना अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा त्रुटिवश अदेय प्रमाण पत्र जारी किया गया है। जबकि बकाया राशि 4 लाख 80 हजार 119 रूपये थी। इसलिये संबंधित दुर्गासिंह मेहता का नाम निर्देशन पत्र निरस्त करते हुये अदेय प्रमाण पत्र जारी करने वाले कर्मियों पर नियमानुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जाती है। इसी प्रकार कलेक्टर एवं जिला पंचायत सदस्य के रिटर्निंग अधिकारी शिवराजसिंह वर्मा ने वार्ड क्रमांक 4 के अभ्यर्थी श्रीमती अंजली रूलसिंह के जाति प्रमाण पत्र पर अभ्यर्थी श्रीमती गीता चौहान के प्रस्तावक रामसिंह चौहान की आपत्ति को सहीं पाते हुये अपने निष्कर्ष में बताया है कि उक्त वार्ड अनुसूचित जनजाति महिला के लिये आरक्षित है। जबकि श्रीमती अंजली जन्म से अपने पिता मांग्या की बलाई जाति के कारण अनुसूचित जाति से संबंधित है। इसी वर्ग के प्रमाण पत्र के आधार पर उन्होने अपने शैक्षणिक केरियर के दौरान लाभ भी प्राप्त किया है। चूंकि उनकी शादी अनुसूचित जनजाति के रूलसिंह वास्कले से हो जाने के कारण वे अनुसूचित जनजाति की सदस्य नहीं हो सकती। उनकी जाति उनके पिता की जाति के अनुरूप ही रहेगी। अतः श्रीमती अंजली रूलसिंह वास्कले का नाम निर्देशन पत्र निरस्त किया जाता है।

आबकारी विभाग ने 6 प्रकरण दर्ज कर दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

माही की गूंज, खरगोन।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के आदेश पर आबकारी विभाग लगातार कार्यवाही करने में जुटा हुआ है। वृत-खरगोन अ,ब,स तथा भीकनगांव के आबकारी दल द्वारा सहायक जिला आबकारी अधिकारी टीआर गंधारे के मार्गदर्शन में बुधवार को वृत खरगोन स क्षेत्र के ग्राम देवझिरी, मोहनपुरा एवं सामरपाट में अबैध मदिरा विक्रेताओं के विरुद्ध दबिश देकर कार्यवाही की गई। वृत प्रभारी श्री ओमप्रकाश मालवीय, आबकारी उपनिरीक्षक द्वारा मप्र आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) क, च के तहत 6 प्रकरण दर्ज कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही में आबकारी विभाग द्वारा अलग-अलग स्थानों से 150 लीटर हाथभट्टी मदिरा जप्त की गई। वहीं लगभग 5 हजार किलोग्राम महुआ लहान जप्त कर मौके पर विधिवत नष्ट किया गया। जप्त मदिरा एवं महुआ लहान का बाजार मूल्य लगभग 3 लाख रुपये है।

कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी जयसिंह ठाकुर, आबकारी उपनिरीक्षक दिनेशसिंह चौहान, आबकारी उपनिरीक्षक सचिन भास्करे तथा वृत अ, ब, स, भीकनगांव के मुख्य आरक्षक, आबकारी आरक्षक का सराहनीय योगदान रहा।

12 वर्ष की मन्नतों के बाद मिले चिराग की स्विमिंग पूल में डूबने से हुई मौत

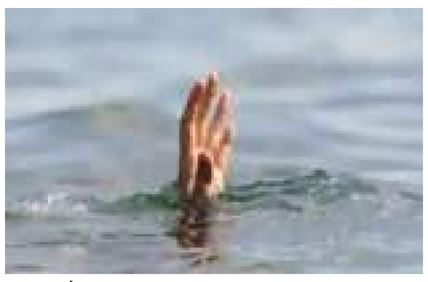

उज्जैन।

जिले में 16 वर्ष के एक किशोर की स्विमिंग पूल में डूबने से मौत हो गई। उज्जैन स्थित नागदा के अटल निजामुद्दीन में नगर पालिका द्वारा संचालित स्विमिंग पूल में मंगलवार को शिवम नाम का किशोर अपने दोस्तों के साथ स्विमिंग करने आया था। घटना के वक्त स्विमिंग पूल में मौजूद लोगों के मुताबिक, हादसा मंगलवार शाम करीब 5 बजे हुआ। एक घंटे तक जब अन्य साथियों को शिवम नजर नहीं आया तो उसकी खोजबीन की गई। नगर पंचायत के कर्मचारियों ने सबसे आखिरी में पूल की गहराई में जाकर देखा तो शिवम की लाश नजर आई। उसके सिर और कान से खून बहता मिला। आशंका जताई जा रही है कि ऊंचाई से छलांग लगाने से पानी के भीतर जमीन से शिवम का सर टकराया और वह पानी में ही बेहोश हो गया। पूल के नियमित तैराकों ने शिवम के पेट से पानी निकाल कर उसे बचाने का असफल प्रयास किया।

प्रशासन को बताया जिम्मेदार

नागदा विधायक दिलीप सिंह गुर्जर ने नगर पालिका प्रशासन और नगर पंचायत सीएमओ को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। विधायक ने कहा कि, राजनीतिक कार्यकर्ताओं को ट्रेनर बनाया गया है जबकि पूरा शहर जानता था कि स्विमिंग पूल ट्रेनर और तैराक दल की व्यवस्था होनी चाहिए। लेकिन नगर पंचायत के अधिकारी इससे बेखबर थे। अधिकारी ध्यान देते तो शिवम की मौत नहीं होती।

उप पुलिस महानिरीक्षक ने नानपुर तो एसपी ने सौंडवा पुलिस थाने का मध्यरात्रि में किया निरीक्षण

माही की गूंज, अलीराजपुर।

उप पुलिस महानिरीक्षक ग्रामीण रेंज इंदौर चन्द्रशेखर सौलंकी ने जिलें की पुलिस की मुश्तैदी एवं चाकचौबंद व्यवस्था को और बेहतर एवं सुदृढ करनें के उद्देश्य से मध्यरात्रि में थाना नानपुर आकस्मिकरूप से पहुंचकर संपूर्ण थाना परिसर का औचक निरीक्षण किया गया। औचक निरीक्षण 6-7 जून मध्यरात्रि 2 बजे से 3 बजे तक चला। इस दौरान थाना नानपुर में रात्रि डयूटी में उपस्थित कर्मचारीगण उप निरीक्षक भूपेन्द्र खरतिया, सउनि मंजीतसिंह, आर राकेश, आर दिलीप उपस्थित मिले। औचक निरीक्षण के दौरान थाना रिकार्ड का सूक्ष्मता से अवलोकन कर आवष्यक निर्देश दिए। इस दौरान थाना के जरायम रजिस्टर का अवलोकन किया गया तथा लंबित अपराधों के निराकरण हेतु निर्देश दिए।

विभिन्न रजिस्टर व फाईल का किया अवलोकन

निगरानी बदमाशों की नियमित रूप से चेकिंग करना पाया गया। निगरानी बदमाशों के गुजर-बसर की गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए।

लंबित समस्त वारंटों की तामिली हेतु इनके रिश्तेदारों, वकील एवं परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर तथा सोशल मिडिया के माध्यम से पतारसी कर तामिल की निर्देश दिए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अलीराजपुर को थाना की कार्यवाही से आगन्तुक कहां तक संतुष्ट हैं ? फिडबेक लेने के निर्देश दिए।

थाना के हवालात का निरीक्षण करने पर कोई बन्दी निरूद्ध नहीं पाया गया। मालखाने, रिकार्ड रूम का निरीक्षण किया गया। रिकार्ड रूम में आदर्श आचार संहिता के दौरान जमा कराए जा रहे सभी शस्त्रों को रखा जाना पाया। शेष बचे सभी शस्त्र तत्काल जमा कराने के निर्देश दिए। फाईल में पत्राचार सिलसिलेवार नहीं लगे थे, जिसको सिलसिलवार करने के निर्देशित किया गया। थाना परिसर, मालखाना, शस्त्रागार एवं कम्प्यूटर कक्ष में साफ-सफाई की आवश्यकता हैं, इसके लिए थाना प्रभारी को निर्देशित किया।

एसपी ने थाना सोण्डवा का किया निरीक्षण

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह 6-7 जून की मध्यरात्रि में थाना सोण्डवा आकस्मिकरूप से पहुंचकर संपूर्ण थाना परिसर का औचक निरीक्षण किया गया। औचक निरीक्षण रात्रि 12 बजे से 2 बजे तक चला, इस दौरान थाना सोण्डवा में रात्रि डयूटी में उपस्थित कर्मचारीगण उप निरीक्षक दिपसिंह हाडा, प्रआर सुरेष एवं आर दिनेष उपस्थित मिले।

– नानपुर पुलिस थाने का निरीक्षण करते उप पुलिस महानिरीक्षक ग्रामीण रेंज इंदौर।

निरीक्षण के दौरान थाना के जरायम रजिस्टर का अवलोकन किया गया तथा लंबित अपराधों के निराकरण हेतु निर्देश दिए। निगरानी बदमाशों की नियमित रूप से चेकिंग करना पाया गया। लंबित समंस/वारंटों की तामिली संतोषजनक पाई गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अलीराजपुर को थाना की कार्रवाई से आगन्तुक के फिडबेक लेने के निर्देश दिए। थाना की हवालात का निरीक्षण करते कोई बन्दी निरूद्ध नहीं पाया गया। हवालात में सीसीटीव्ही केमरा लगा होकर चालू हालत में पाया गया। हवालात की साफ-सफाई ठीक पाई गई।

मालखाने का निरीक्षण करते शस्त्र व्यवस्थित रूप से रखे हुए पाये गये। रिकार्ड रूम का निरीक्षण किया गया। रिकार्ड रूम में आदर्श आचार संहिता के दौरान जमा कराए जा रहे सभी शस्त्रों को रखा जाना पाया। शेष बचे सभी शस्त्र तत्काल जमा कराने के निर्देश दिए।

पाईंट ड्यूटी पर लगे बल की चेकिंग करते बस स्टेण्ड-साकड़ी रोड़ पर आरक्षक 529 राकेश एवं आरक्षक 494 भेरूसिंह मय रायफल के ड्यूटी करते पाए गए, जिन्हें 500-500 रूपए के पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया तथा आरक्षक 107 दिनेश निर्धारित गणवेश में नहीं होकर सिविल ड्रेस में पाया जाने से दण्डित किया गया।

एसपी श्री सिंह ने बताया कि, जिले में अमनचैन और कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहतर बनी रहे तथा अपराधियों में खौफ के लिए आवश्यक है कि, जिले की पुलिस व्यवस्था मुश्तैद एवं चाकचौबंद रहे, इसी के मदेदनजर थाना सोण्डवा का औचक निरीक्षण किया गया है। आगे भी इसी प्रकार औचकरूप से किसी भी थाना/चौकी एवं पुलिस दफतरों का निरीक्षण किया जाना प्रस्तावित है।

– सोंडवा पुलिस थाने का निरीक्षण करते पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर।

15 दिन के मासूम को मां ने बेचकर खरीदा अय्याशी का सामान, 6 गिरफ्तार

इंदौर।

मां की ममता को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। एक मां ने अपने 15 दिन के नवजात बच्चे को बेच दिया। मां ने बच्चे को बेचकर मिले पैसों से फ्रिज, टीवी और वॉशिंग मशीन जैसी चीजें खरीद लीं। आरोपी मां ने अपने पति की सहमति से यह सौदा किया था। मामले में पुलिस ने कुल 8 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है, इनमें से 6 को पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया है।

इंदौर के हीरा नगर इलाके में रहने वाली महिला शायना बी ने पुलिस को बताया कि, उसके पति को बच्चे को लेकर शक था। महिला ने कहा, मेरा पति अबॉर्शन कराना चाहता था, लेकिन समय ज्यादा हो गया था तो हमने दलालों के माध्यम से बच्चे को बेचने का प्लान बनाया और बच्चे को देवास के एक दंपती को बेच दिया।

पुलिस अनुसार, बच्चे को लीना नाम की एक महिला ने खरीदा था। लीना ने बताया कि, हाल ही में उसके दो बच्चों की मौत हो गई थी। जिसके बाद उसने साढ़े पांच लाख में बच्चा खरीद लिया।

8 में से 6 आरोपी गिरफ्तार

बच्चा बेचने के बाद मिले पैसों से महिला ने टीवी, फ्रिज, कूलर और वॉशिंग मशीन जैसे सामान खरीद लिए थे, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। मामले की जानकारी सामाजिक कार्यकर्ताओं के माध्यम से मिली थी। मामले में आरोपी मां शायरा बी समेत आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इनमें एक नाबालिग भी है। आरोपियों में से छह को गिरफ्तार कर लिया गया है और दो फिलहाल फरार हैं। पुलिस ने दावा किया कि जल्द ही फरार आरोपियों को भी पकड़ लिया जाएगा।

शिप्रा नदी में 3 फीट कम होगा पानी का लेवल

उज्जैन।

जिला प्रशासन ने शिप्रा नदी के पानी का लेवल तीन फीट कम करने के निर्देश दिए हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार शिप्रा नदी के रामघाट पर स्नान करने के लिए बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या अधिक रहती है और श्रद्धालुओं को नदी का पानी का लेवल मालूम नहीं होने के कारण वह गहरे पानी में चले जाते हैं।

पिछले कुछ दिनों में कई लोगों के डूबने के बाद कलेक्टर आशीष सिंह और पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र कुमार शुक्ला ने नदी के रामघाट और दत्त अखाड़ा क्षेत्र का निरीक्षण किया है। उन्होंने नदी के पानी का लेवल स्थाई रूप से तीन फीट नीचे रखने का निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने दत्त अखाड़ा क्षेत्र में भी अनाउंसमेंट सिस्टम लगाने का निर्देश नगर निगम को दिया है।

जल संसाधन विभाग और नगर निगम के कार्यपालन यंत्री को नदी में बैरिकेटिंग के लिए पोल स्थाई रूप से स्क्रू और नट-बोल्ट से कसने के लिए निर्देशित किया है और प्रत्येक पोल पर और घाट पर बीच-बीच में चेतावनी के लिए साइनेज लगाएं जाएं, ताकि अनजान लोग नदी के गहरे पानी में न उतरें। उन्होंने होमगार्ड की मदद के लिए स्थानीय तैराक दल को भी तैनात करने के लिए कहा है। होमगार्ड को निर्देश दिए हैं कि, श्रद्धालुओं से निरंतर अपील की जाए कि घाट के फर्स्ट लेंडिंग से ही स्नान करें, इससे आगे जाकर स्नान न करें। जिला कलेक्टर ने आवश्यकता पड़ने पर एम्बुलेंस की व्यवस्था के लिए हेल्प लाइन नम्बर जारी करने को कहा है।

पुलिस नियंत्रण कक्ष में दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का हुआ आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

म.प्र. शासन द्वारा चिन्हित अपराधों में शतप्रतिशत सजायाबी हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसको दृष्टिगत रखते हुए जिला अलीराजपुर में देखा गया कि, सामाजिक पंचायत व झगडा प्रथा के कारण पैसे लेकर आपसी समझौता कर लिया जाता है। जिस कारण से प्रकरण में सजायाबी पर प्रतिकूल प्रभाव परिलक्षित होकर घटना का आरोपी माननीय न्यायालय से छूट जाता है। किसी भी चिन्हित प्रकरण या अन्य अपराधों में भी घटना के आरोपी को सजा सुनिश्चित किये जानें हेतु पुलिस विभाग द्वारा संबंधित चिन्हित अपराध का प्राथमिकस्तर पर ही ठोस कार्यवाही एवं मजबूत अनुसंधान हो, ताकि उसमें सजा दिलाई जा सके। इसके लिए 5 व 6 जून को पुलिस नियंत्रण कक्ष अलीराजपुर में दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया था। दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र में अधिकारियों के द्वारा थाना प्रभारियों एवं नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसआर सेंगर ने घरेलू हिंसा एवं महिलाओं पर बढते अपराध के संबंध में अनुसंधान की बारीकीयों से प्रशिणार्थियों को अवगत कराया। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अलीराजपुर सुश्री श्रृद्धा सोनकर ने अनुसेधान में त्रुटियॉं एवं इसके उपाय एवं गंभीर अपराधों में माननीय न्यायालय में विचारण के दौरान होनें वाली कमीयों एवं इसके उपाय पर प्रशिणार्थियों को अवगत कराया गया। उप पुलिस अधीक्षक महिला प्रकोष्ठ आदित्य ठाकुर ने महिला संबंधी अपराध, उर्जा डेस्क एवं पास्कों एक्ट के अपराधों में अनुसंधान अधिकारियों द्वारा की जानें वाली त्रुटियों के संबंध में अवगत कराते हुए इन त्रुटियों से बचने के सुझाव से अवगत कराया गया। जिला लोक अभियोजन अधिकारियों के द्वारा थाना प्रभारियों एवं नोडल अधिकारियों को अनुसंधान के दौरान होनें वाली त्रुटियों एवं माननीय न्यायालय में विचारण के दौरान ध्यान देनें योग्य सभी तथ्यों के संबंध में बताया गया।

आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसआर सेंगर, उप संचालक अभियोजन जिला अलीराजपुर राजीव गरवाल, उप पुलिस अधीक्षक महिला प्रकोष्ठ आदित्यराजसिंह ठाकुर, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अलीराजपुर सुश्री श्रृद्धा सोनकर, जिला लोक अभियोजन अधिकारी बीएस चौहान, अति. जिला लोक अभियोजन अधिकारी पीएस औहरिया, सहा. जिला लोक अभियोजन अधिकारी महेश बघेल एवं राजेन्द्र मण्डोड द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों एवं अनुसंधान अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

पुलिस अधीक्षक श्री कुमार सिंह ने बताया कि, जिला अलीराजपुर में सजायाबी का प्रतिशत काफी कम है, जिसमें बेहतर कार्यकर सुधार किये जानें की आवश्यकता प्रतीत हो रही थी। इसी को दृष्टिगत रखते हुए अलीराजपुर पुलिस के द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन रखा गया था। जिसमें पुलिस एवं अभियोजन विभाग के अधिकारियों द्वारा जांच एवं विचारण संबंधी हर पहलु पर प्रशिक्षण दिया गया, जो भविष्य में अनुसंधान अधिकारियों के लिए लाभकारी होगा।

मानसून मुहाने पर अब तक नही हुई सभी वार्ड की सफाई

माही की गूंज, अलीराजपुर।

शासन के निर्देश के अनुसार नालों की साफ-सफाई का कार्य बरसात के पहले होना अपेक्षित हैं। लेकिन उस दृष्टि से अलीराजपुर नगर पालिका द्वारा किसी भी तरह की कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही हैं। शहर के नाले कूड़ा कचरा, गाद से पूरी तरह से लबालब हो गए है। नालों की साफ-सफाई की ओर नप प्रशासन द्वारा अनदेखी की जा रही हैं। जिस कारण बरसात में शहरवासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता हैं। बरसात को कुछ ही दिन शेष हैं। अलीराजपुर नगर पालिका द्वारा शहर की सभी वार्ड की नाली की सफाई के लिए किसी भी तरह की हलचल नजर नहीं आ रही हैं। शहर के तकरिबन सभी नालियों में बड़े पैमाने पर गाद, कचरा जमा हुआ हैं। नालों की साफ सफाई के काम बरसात के पहले होना अपेक्षित हैं, लेकिन शहर के किसी भी नाले की साफ सफाई को आज तक शुरूआत नहीं हुई। सफाई के नाम पर महज खाना पूर्ति की जा रही हैं। नगरपालिका बारिश को देखते हुए इनकी सफाई पर ध्यान नहीं दे रही है। शहर के मुख्य नाले गंदगी से चौक होने की वजह से बारिश के मौसम में गली-मोहल्लों में गंदा पानी भर जाने की वजह से लोगों की परेशानी बढ़ जाती है। लोगों ने नगर पालिका को बारिश शुरू होने से पहले ही गंदगी से चौक हो रहे नाले नालियों की साफ- सफाई को लेकर कई बार सूचना भी दि गई। लेकिन सुनवाई न होने से उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

जलभराव होने से संक्रमण का खतरा

वार्ड के सभी गली-मोहल्लों में बारिश में नाली का गंदा पानी भर जाने की वजह से मच्छर पनप जाएंगे, जिस वजह से लोगों का जीना हराम हो जाएगा। लोग डेंगू और मलेरिया आदि रोगों का शिकार न हो इस ओर जिम्मेदार अधिकारियों इस ओर ध्यान देना चाहिए।

निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

माही की गूंज, अलीराजपुर।

स्थानीय निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक डॉ. आरपी तिवारी ने सोण्डवा, चंन्द्रशेखर आजाद नगर व अलीराजपुर जनपद पंचायत क्षेत्र का भ्रमण कर जनपदों में बनाए गए स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। वही सोमवार को नाम निर्देशन पत्र जमा करने के अंतिम दिवस जनपद पंचायतों एवं क्लस्टर केन्द्रों का निरीक्षण कर, पदाधिकारियों एवं नामांकन पत्र जमा कर रहे लोगो से चर्चा कर जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर सभा कक्ष में प्रेक्षक डॉ. तिवारी ने पंचायत आम निर्वाचन 2022 की तैयारियों के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक में संबंधित पदाधिकारियों से चर्चाकर आवश्यक निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उपस्थित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि, जिले में निर्भिक व निष्पक्ष निर्वाचन करवाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है किसी भी प्रकार की समस्या के लिए तुरंत मोबाईल पर या व्यक्तिगत रूप से मिलकर चर्चा कर सकते है। यहॉं उपस्थित समस्त लोगों को आदर्श आचरण संहिता का स्वयं पालन करने एवं दूसरों से भी करवान के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राघवेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर सीएल चनाप, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की सखाराम सेंगर, अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी गामड, देवकीनंदन, सुश्री जानकी यादव व सुश्री किरण अंजना समेत राजनैतिक दलों से राजेन्द्र मोदी, कैलाश गुप्ता, राजू टवली, खुर्शीद अली, ओम राठौड, गफ्फर खान आदि समेत जिला नोडल अधिकारी उपस्थित थें।

कलेक्टर ने किया तीन प्राचार्य को निलंबित, कड़ी कार्रवाई क लिए संभाग आयुक्त को भेजा प्रतिवेदन

झाबुआ के बाद रतलाम में भी उठा खेल सामग्री क्रय में अनियमितता का मामला

झाबुआ में घटिया सामग्री मिलने और भारी अनियमितता के बाद भी कलेक्टर नही कर सके जिम्मेदारों पर कार्रवाई

माही की गूंज। संजय भटेवरा

झाबुआ/रतलाम झाबुआ जिले से भोपाल के गलियारों तक पहुची घटिया खेल सामग्री सप्लाई मामले में जिला प्रशासन ने भले ही सामग्री सप्लाई करने वाली फर्मों पर मामला दर्ज कर लिया हो, लेकिन यहां विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नही की गई। पुरा मामला अब संदेह के घेरे में आ गया हैं। उसके उलट झाबुआ जिले के कई विकास खण्डों में घटिया खेल सामग्री सप्लाई मामले के बाद जिले की सीमा से लगे, रतलाम जिले में भी खेल सामग्री सप्लाई में भ्रष्टाचार और लापरवाही का मामला सामने आया था। पूर्व कलेक्टर ने मामले की जांच भी की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नही की गई। जिले में नवागत कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ने मामले की समीक्षा करते हुए, जनजाति कार्य विभाग में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति अंतर्गत खेल सामग्री क्रय करने में अनियमितता पाए जाने पर जिले के तीन प्राचार्यों को निलंबित कर अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की है।

झाबुआ जिले में उठे मामले के बाद स्थानीय मीडिया ने इस भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए समाचार प्रकाशित कर जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित करवाया था। जनजाति कार्य विभाग में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति अंतर्गत रतलाम जिले की विभागीय शैक्षणिक संस्थाओं को खेल सामग्री क्रय किए जाने हेतु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, प्रति संस्था 25 हजार रुपए की राशि प्रदान की गई थी। प्रदाय आवंटन अनुसार संस्था प्राचार्य को संस्था में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु नियमानुसार खेल सामग्री का वितरण किया जाना था। संस्था प्राचार्य द्वारा खेल सामग्री क्रय में अनियमितता की जानकारी संज्ञान में आने पर सामग्री का भौतिक सत्यापन करवाकर निरीक्षण करवाया गया, निरीक्षण में अनियमितता पाई गई।

इन स्कूलों के प्राचार्यों को किया निलंबित

इस संबंध में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरवन की प्राचार्य सुश्री प्रीति जैन, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेलाना के प्राचार्य पंकजसिंह चंदेल एवं शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरवन के प्रभारी प्राचार्य शिवरमन बोरीवाल को निलंबित कर दिया है। निलंबित प्राचार्यों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए प्रतिवेदन संभाग आयुक्त उज्जैन को भेजा गया।

फाइल फोटो

कोई टेंडर वर्क नहीं था फिर सप्लाई करने वाली फर्मों पर कार्रवाई क्यो...? जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा की कार्रवाई पर उठे सवाल

घटिया खेल सामग्री मामले में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कड़े निर्देशो के बाद कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने अपनी चालाकी के ''एक पंत दो काज'' कर दिए। कलेक्टर मिश्रा ने मुख्यमंत्री को कार्रवाई के नाम पर गुमराह करने के लिए स्कूलों में जिन फर्मों के बिल लगे थे उन पर जिले के अलग-अलग थानों में एफआईआर दर्ज करवा कर मुख्यमंत्री को मामले में कड़ी कार्रवाई करने झांसा दिया। वही दूसरी और सप्लाई के खेल में लगे सत्तापक्षीय नेताओं समेत विभाग के जिम्मेदार अधिकारीयो पर कोई कार्रवाई नही कर उनको बचा लिया। जबकि सामग्री सप्लाई के लिए सीधे-सीधे कोई सप्लाई फर्म जिम्मदार नही थी, क्योंकि ये कोई टेंडर वर्क नही था जिसमे घटिया सामग्री सप्लाई के लिए फर्म को जिम्मेदार माना जाए। उक्त सामग्री संस्था को सीधे शिक्षक पालक संघ के माध्यम से प्रक्रिया कर सहमति से खरीदना था। कागजी प्रक्रिया तो पूरी की गई लेकिन घटिया एंव कम मुल्य की सामग्री का कई गुना अधिक मुल्य के बिल के साथ विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के दबाव में कैसे दी गई व ली गई, के मापदण्ड के साथ यदि मामले में जिम्मदार शिक्षिकों, जन शिक्षको और संकुल प्राचार्य पर मामला दर्ज किया जाना था जिससे सप्लाई के इस खेल में पर्दे के पीछे लगे चहरे भी उजागर हो सकते थे। रतलाम कलेक्टर द्वारा मामले में सीधे-सीधे घटिया सामग्री खरीदने के लिए संकुल प्राचार्य को जिम्मेदार मानते हुए फिलहाल तीन प्राचार्यो पर निलबंन की कार्रवाई कर मामले मे बड़ी कार्रवाई का संदेश दिया है। वही आगे उक्त कार्रवाई में कौन-कौन और लाईन में आते है यह तो बाद में ही पता चलेगा।

रतलाम कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी

राष्ट्रीय पुस्तकालय में भाजपा की मीटिंग पर टीएमसी ने जताया ऐतराज

कोलकाता।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा इन दिनों पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं। कोलकाता की नेशनल लाइब्रेरी को राजनीतिक बैठके के लिए इस्तेमाल करने पर टीएमसी ने ऐतराज जताया है। हाल ही में भाजपा से टीएमसी में गए जय प्रकाश मजूमदार ने कहा है कि लाइब्रेरी के नियमों के मुताबिक इसका इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता। बता दें कि मजूमदार अब टीएमसी के राज्य में उपाध्यक्ष हैं।

मजूमदार ने कहा, यह केंद्र सरकार द्वारा संचालित संस्थान है लेकिन इसमें पीछे के दरवाजे से एंट्री की गई है। यह एक धरोहर है और इसका सुरक्षित रहना ज रूरी है। ये लोग सामाजिक संगठन के नाम पर यहां बैठक कर रहे हैं और नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

भाजपा राज्य कार्यकारिणी की बैठक इसी लाइब्रेरी में बुधवार शाम करने वाली है। जेपी नड्डा इस बैठक के जरिए पश्चिम बंगाल भाजपा नेताओं में व्याप्त असंतोष को भी दूर करने की कोशिश करेंगे। भाजपा सांसद बाबुल सुप्रियो और अर्जुन सिंह के पार्टी छोड़ने के बाद भाजपा अध्यक्ष यह बैठक कर रहे हैं। बुधवार को भाजपा अध्यक्ष चिनसुरा और चंदननगर पहुंचे थे।

भाजपा सांसद सौमित्र खान ने मीडिया को बताया, 2024 में राज्य में सार्थक परिणाम पाने के लिए जेपी नड्डा बैठक कर रहे हैं। चिनसुरा में वंदे मातरम भवन को देखने के बाद जेपी नड्डा ने लेखक बंकिम चंद्र चैटर्जी को श्रद्धांजलि दी।

बामनिया में कई वार्डो में होगा सीधा मुकाबला, सरपंच के लिए 06 उम्मीदवार मैदान में

माही की गूंज, बामनिया । नाम निर्देशन और नांमाकन की प्रक्रिया होने के बाद वार्डो की स्थिति लगभग साफ हो चुकी हैं। सोमवार को अंतिम दिन ग्राम के कई वार्डो से नामांकन जमा किये गए, हालांकि किस वार्ड में कितने प्रत्याशी रहेगे इसका अंतिम निर्णय 10 जून को नाम वापसी के बाद ही होगा। पंचायत के सरपंच सहित 20 वार्डो में होने वाले चुनावों के लिए फिलहाल जो स्थिति है, उसके अनुसार ग्राम पंचायत बामनिया के सरपंच पद के लिए 06 महिलाओं ने उम्मीदवारी की है, जिसमे वर्तमान सरपंच रामकन्या मखोड, वर्तमान जनपद सदस्य सुशीला खड़िया, पूर्व सरपंच नंदलाल गामड़ की पुत्री अंतिम गामड़, 06 माह के ग्राम पंचायत सरपंच पद पर रही झाली डामर सहित विदेश रिटर्न राजेश पंवार की पत्नी जोशनी पंवार सहित पूर्व पंच अशोक चारेल की पत्नी चुनावी मैदान में है। भाजपा की और से पिछले कार्यकाल की सरपंच रामकन्या मखोड और जनपद सदस्य सुशीला खड़िया ने पार्टी से अधिकृत होने के लिए दावेदारी की है, जबकि कांग्रेस की और से जोशनी राजेश पंवार का नाम लगभग तय है। बात करे वार्डो की तो ज्यादातर वार्डो में सीधा या फिर त्रिकोणीय मुकाबला होना है। वार्ड क्रमांक 02 ,03, 05, 07, 08,12,13,17,19 और 20 में दो-दो प्रत्याशी मैदान में है, जिनका सीधा मुकाबला होना है। जबकि वार्ड नम्बर 01, 10,11 और 18 में त्रिकोणीय संघर्ष देखने को मिल सकता है, इन सब वार्डो से कम ही नाम वापसी की सम्भवना है। वार्ड क्रमांक 09,14,15 और 16 में तीन से अधिक प्रत्याशी मैदान में उतरे हुए है जिसमे शुक्रवार नाम वापसी के बाद थोड़ा परिवर्तन संभावित है। वार्डो में भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओ के साथ-साथ निर्दलीय रूप से प्रभावी प्रत्याशी मैदान में उतरे हुए है, यहां उपसरपंच पद की दावेदारी के लिए वार्डो में घमासान की स्थिति बनी हुई है।

4 सरपंच, 50 पंच ने किया नामांकन दाखिल, 6 वार्ड हुए निर्विरोध

माही की गूंज, खवासा।

थांदला जनपद की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत कही जाने वाली खवासा ग्राम पंचायत में 4 महिला शकुंतला पति चंदूसिंग वसुनिया, गंगा बाई पति थावरचंद खराड़ी, मुन्नी बाई पति रमेश बारिया, जेनी बाई पति केगुसिंह भूरिया ने सरपंच पद हेतु अपने नामांकन दाखिल किए।

खवासा सेक्टर में 6 पंचायतो के नामाकन सेक्टर प्रभारी निर्मल शर्मा व टीम ने सभी उम्मीद्वारो से पुरी प्रकिया के साथ किए प्राप्त।

वही 20 वार्ड में 08 अनारक्षित वार्ड, 04 महिला व 04 मुक्त। 02 अ.जा. इसमें 01 महिला और 01 मुक्त के साथ 10 अजजा जिसमें 5 महिला व 05 मुक्त वार्ड से आरक्षित है।

यहां कुल 20 वार्ड में 50 पंच के नामांकन दाखिल किए गए, जिसमें 4,5,6,9,10,17 कुल 6 वार्ड में एक-एक नामांकन दाखिल होकर 6 पंच पद पर निर्विरोध आए हैं। वहीं वार्ड नंबर 3 व 16 अनारक्षित मुक्त में 6-6 व्यक्तियों ने अपने नामांकन दाखिल किए हैं। तथा 7 वार्ड में दो-दो नामांकन दाखिल होकर सीधा मुकाबले की उम्मीद है, बाकी में 03 और 04 नामांकन दाखिल हुए।

6 जून को नामांकन दाखिल होने के बाद से ग्राम में राजनीतिक समर शुरू होकर एक-दूसरे को मनाने की राजनीति शुरू हो चुकी है। कल नामांकन वापसी के बाद ही उम्मीद्वार अपने चुनाव चिन्ह के साथ असल प्रचार की शुरुआत करेंगे। अपने प्रचार के साथ ही यह उम्मीद्वार अपनी कमियों को छुपा कर सामने वाले की कमीज को मेली दिखाकर चुनाव मैदान में उतरने का प्रयास करेंगे।

तेज रफ्तार ने छीनी तीन युवाओं की जिंदगी

माही की गूंज, मंदसौर। दो अलग-अलग हादसों में तीन घरों के चिराग बुझ गए। पहला हादसा फोरलेन हाईवे पर मंगलवार सुबह करीब 9 बजे हुआ। हादसे दो चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। मल्हारगढ़ पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मल्हारगढ़ निवासी जुबेर पिता एहसान (18) और जुबेर पिता उस्मान (15) अपनी बाइक से मल्हारगढ़ की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप ने दोनों युवाओं को रौंद दिया। हादसे में एक की मौत मौके पर हो गई, जबकि दूसरे को जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसकी भी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने नाकाबंदी करते हुए पिकअप को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार पिकअप में अवैध गोवंश की तस्करी की जा रही थी। मामले में पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। दूसरा हादसा, शामगढ़ के शांतिकुंज के निकट हुआ, जहां सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से बाइक सवार टकरा गए। हादसे में बाइक चला रहे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

शामगढ़ पुलिस ने बताया कि, गरोठ के सेमली निवासी दिलीप सिंह पिता कालू सिंह सोंधिया राजपूत (26) अपने साथी प्रधान सिंह पिता गुमान सिंह सोंधिया राजपूत (25) के साथ गांव से शामगढ़ की ओर आ रहे थे। इसी दौरान शांतिकुंज के निकट सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गए। रफ्तार इतनी तेज थी कि दो युवक बाइक सहित ट्रेलर के पिछले हिस्से में घुस गए। हादसे में बाइक चला रहे दिलीप सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक के पीछे बैठे प्रधान सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे गंभीर हालात में जिला अस्पताल रेफर किया गया।

105 घंटे में बना दी 75 किमी लंबी सड़क

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने अपने नाम एक नया विश्व रिकॉर्ड दर्ज कराया है। एनएचएआई ने मात्र 105 घंटे में 75 किलोमीटर लंबी बिटुमिनस कंक्रीट की सड़क बनाकर पूरी दुनिया में नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। यहा रिकॉर्ड महाराष्ट्र में अमरावती और अकोला के बीच मार्ग पर 105 घंटे 33 मिनट के रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ट्वीट कर यह जानकारी साझा की। गडकरी ने अपने ट्वीट के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट भी पोस्ट किया है। इसके अलावा नितिन गडकरी ने एक वीडियो संदेश जारी करते हुए लिखा है कि यह देश के लिए एक गर्व का क्षण है।

गडकरी ने वीडियो संदेश के जरिए विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए एनएचएआई और राज पाथ इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड के सभी इंजीनियरों, ठेकेदारों, सलाहकारों और श्रमिकों को बधाई दी, जिसने इस विश्व रिकॉर्ड को सफलतापूर्वक पूरा करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि अमरावती से अकोला जिलों के बीच एनएच 53 पर 105 घंटे 33 मिनट में 75 किमी बिटुमिनस कंक्रीट को सिंगल लेन में बिछाने का रिकॉर्ड बनाया गया है।

गडकरी ने कहा, 75 किमी सिंगल-लेन बिटुमिनस कंक्रीट रोड के लिए काम 3 जून 2022 को सुबह 7:27 बजे शुरू हुआ और 7 जून शाम 5 बजे पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि रोड बनाने के लिए कुल 36 हजार 634 मीट्रिक टन मैटेरियल का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि, इस परियोजना को सलाहकारों की एक टीम सहित 720 श्रमिकों द्वारा पूरा किया गया था जिन्होंने इस कार्य को पूरा करने के लिए दिन-रात काम किया था।

पांच आदतन अपराधियों को कलेक्टर ने किया जिलाबदर

माही की गूंज, रतलाम। जिले में होने जा रहे त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकायों के चुनावों को देखते हुए अब पुलिस प्रशासन ने सख्त कदम उठाना शुरु कर दिए है। निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने जिले में अलग अलग स्थानों पर सक्रिय पांच आदतन अपराधियों को जिलाबदर कर दिया है। पुलिस विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन पर कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी ने पांच बदमाशों को जिलाबदर करने के आदेश जारी किए। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेंद्र सूर्यवंशी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 के अधीन प्रदत्त शक्तियों को उपयोग में लाते हुए पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर पुलिस थाना ताल अंतर्गत पंथ पिपलौदा निवासी मुन्ना पिता हिम्मतसिंह को 6 माह की अवधि के लिए जिला बदर किया है। इसी प्रकार पंथ पिपलौदा निवासी मनोहर पिता खुमानसिंह को 6 माह की अवधि के लिए जिला बदर किया है। उक्त अवधि में आरोपी रतलाम जिले की राजस्व सीमा के अलावा समीपस्थ जिला उज्जैन, आगर, धार, झाबुआ, मंदसौर की राजस्व सीमाओं में प्रवेश नहीं कर सकेगा। पुलिस थाना शिवगढ अंतर्गत नई आबादी शिवगढ निवासी समरथ पिता कनीराम बामनिया, पुलिस थाना बरखेडाकला अंतर्गत बरखेडाकला निवासी गोपाल उर्फ रंगीला पिता भेरुलाल डांगी और पुलिस थाना बिलपांक अंतर्गत ग्राम सुराना निवासी हैदर अली पिता मैहर उर्फ मेहमूद अली को 6-6 माह की अवधि के लिए जिला बदर किया है। उक्त अवधि में आरोपीगण रतलाम जिले की राजस्व सीमा के अलावा समीपस्थ जिला उज्जैन, आगर, धार, झाबुआ, मंदसौर की राजस्व सीमाओं में प्रवेश नहीं कर सकेंगे ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422